राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

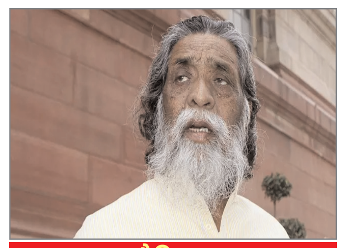

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार , 11 नवंबर 2025
वर्ष 14, अंक 208, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

डीएनए की संरचना के खोजकर्ता जेम्स वॉटसन का निधन..03

कहां पकड़े गए तीन आतंकी?,कौन सी रच रहे थे साजिश?..04

फेफड़ों के साथ 'पैसा' भी लील रही है ज़हरीली हवा! दिल्ली की 'तिजोरी' में हो रहा बड़ा छेद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सर्दियों ने एक बार फिर दस्तक दे दी है, और इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर का आसमान ज़हरीली धुंध की चादर में लिपट गया है. यह अब कोई चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि एक सालाना त्रासदी बन गई है, जिसे करोड़ों लोग हर साल जीने के लिए मजबूर हैं. लेकिन यह संकट अब सिर्फ हमारे फेफड़ों तक सीमित नहीं रहा; यह हमारी जेबों, हमारे काम और हमारे भविष्य पर सीधा हमला कर रहा है हालात इतने गंभीर हैं कि एक हालिया सर्वे ने खतरे की घंटी बजा दी है. इस सर्वे के मुताबिक, दिल्ली में रहने वाले हर 10 में से 4 लोग (यानी 40 प्रतिशत) इस दमघोंटू माहौल से बचने के लिए शहर ही छोड़ देना चाहते हैं. यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस हताशा का सबूत है जो राजधानी की हवा में घुल चुकी है. जब एक शहर, जो कभी अवसरों का केंद्र माना जाता था, 'गैस चैंबर' में तब्दील हो जाए, तो यह न केवल स्वास्थ्य का, बल्कि एक गंभीर आर्थिक संकट का भी संकेत है।

टैलेंट हब की साख दांव पर

यह शायद प्रदूषण के इस संकट का सबसे डराने वाला और मानवीय पहलू है. दिल्ली, जिसे अपनी प्रतिभा (Talent) और अवसरों के लिए जाना जाता था, आज उस साख को खोने की कगार पर है. हाल ही में दिल्ली के 17,000 निवासियों पर किए गए एक सर्वे ने इस कड़वी सच्चाई को सामने ला दिया है. इसमें शामिल 40 प्रतिशत लोगों ने साफ कहा कि वे वायु प्रदूषण और इसके गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से बचने के लिए दिल्ली से बाहर बसने को प्राथमिकता देंगे. यह पलायन की सोच सिर्फ आर्थिक रूप से संपन्न वर्ग तक ही सीमित नहीं है. एक अलग अध्ययन में यह पाया गया कि दिल्ली में काम करने वाले लगभग 57 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक (Migrant Workers) भी अब दिल्ली के मुकाबले अपने गृह नगर में रहना ज़्यादा पसंद कर रहे हैं. इसकी कई वजहों में से एक यहाँ की खराब हवा की गुणवत्ता है.यह रुझान दिल्ली के भविष्य के लिए एक बड़ी चेतावनी है. अगर प्रतिभा (Talent) और श्रम (Labour), यानी एक शहर को चलाने वाली दोनों मुख्य धुरियां ही उससे मुंह मोड़ने लगेंगी, तो 'टैलेंट हब' के तौर पर दिल्ली का आकर्षण हमेशा के लिए खतरे में पड़ सकता है।

अर्थव्यवस्था का कैसे घुट रहा है दम?

यह ज़हरीली हवा सिर्फ हमारी सेहत नहीं, बल्कि दिल्ली की तिजोरी को भी खाली कर रही है. दिल्ली, जो देश की राजनीतिक और आर्थिक गतिविधियों का केंद्र है, उसे इस प्रदूषण की बहुत बड़ी क़ीमत चुकानी पड़ रही है. आंकड़ों पर नज़र डालें तो, साल 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से दिल्ली को 5.6 अरब डॉलर का सीधा आर्थिक नुकसान हुआ. एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली को सालाना अपने सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का 6% से अधिक का नुकसान हो रहा है. व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) चेयरमैन बृजेश गोयल के मुताबिक, प्रदूषण के कारण दिल्ली के व्यापार को रोजाना लगभग 100 करोड़ रुपए का नुक़सान हो रहा है. यह नुकसान कई स्तरों पर हो रहा है. जब हवा में सांस लेना मुश्किल हो, तो लोग घरों से बाहर निकलने से बचते हैं. इसका सीधा असर उपभोक्ता अर्थव्यवस्था (Consumer Economy) पर पड़ता है. बाज़ार वीरान हो जाते हैं और खरीदारी ठप पड़ जाती है. विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राहकों के फुटफॉल (customer footfall) में कमी आने से अर्थव्यवस्था को अरबों का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है. इतना ही नहीं, सर्दियों का मौसम दिल्ली में पर्यटन का पीक सीजन होता है. लेकिन "दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी"की छवि विदेशी पर्यटकों को दूर भगा रही है. पर्यटन क्षेत्र को पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट से अरबों का नुकसान हो रहा है. सीटीआई के मुताबिक, जहां रोजाना एनसीआर से 3 से 4 लाख लोग खरीददारी के लिए दिल्ली आते थे, प्रदूषण के कारण इनकी संख्या घटकर 1 लाख रह गई है।

हर सांस की चुकानी पड़ रही है भारी क़ीमत

प्रदूषण का एक और घातक असर है जो आंकड़ों में तो दिखता है, लेकिन अकसर चर्चा से बाहर रहता है, हमारी कार्यक्षमता (Productivity) पर हमला. जब कर्मचारी बीमार होंगे या पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाएंगे, तो कंपनियों का मुनाफा सीधे तौर पर प्रभावित होगा. D W की एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में अकेले आईटी सेक्टर को प्रदूषण की वजह से उत्पादकता में कमी के चलते सालाना 1.3 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है. वहीं, नियोक्ताओं (Employers) को कार्य दिवसों (Working Days) में कमी आने से सालाना 6 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है. लेकिन यह सब आर्थिक नुकसान उस मानवीय त्रासदी के आगे फीका पड़ जाता है, जिसे भारत हर साल झेलता है. विश्व बैंक की रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2019 में, भारत में वायु प्रदूषण के कारण 17 लाख लोगों की असमय मौत हुई. यह उस साल हुई कुल मौतों का 18 प्रतिशत था. अर्थव्यवस्था को इन असमय मौतों से 45 अरब डॉलर का भारी नुकसान हो रहा है।

3.21 करोड़ की कृत्रिम बारिश भी बेअसर

यह समस्या दशकों पुरानी है, लेकिन हमारे समाधान आज भी 'तात्कालिक' और आधे-अधूरे हैं. हर साल सर्दियों से ठीक पहले संस्थाएं हरकत में आती हैं, बैठकें होती हैं और कुछ अस्थायी कदम उठाए जाते हैं. इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में हुई कृत्रिम बारिश की कोशिश है. इस पर कुल 3.21 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो पांच ट्रायल के लिए निर्धारित बजट था. एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक ट्रायल पर औसतन 64 लाख रुपये खर्च हुए. लेकिन नतीजा, दिल्ली के बड़े हिस्से में पर्याप्त कृत्रिम बारिश नहीं हो पाई और कुछ हिस्सों में सिर्फ हल्की फुहारें ही पड़ीं. यह दिखाता है कि हम समस्या की जड़ पर काम करने के बजाय हर साल महंगे, लेकिन बेअसर प्रयोगों पर निर्भर हैं. जैसे ही गर्मियां आती हैं, ये सारे वादे और प्रयास ठंडे बस्ते में चले जाते हैं. पूरा उत्तर भारत, जो खेती के लिहाज़ से सबसे उपजाऊ है, वह भी प्रदूषण की इस भयंकर चपेट में है. जानकारों का कहना है कि जब तक इस समस्या का स्थायी और साल भर चलने वाला समाधान नहीं खोजा जाता, तब तक दिल्ली-एनसीआर की हवा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था, तीनों का दम घुटता रहेगा।

कांग्रेस नेता रिजाल बोले-राष्ट्रपति की समझदारी से बच गया नेपाल ! वर्ना मिट जाता देश का अस्तित्व और भारत का बढ़ जाता बोझ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नेपाल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने कहा है कि सितंबर में हुए Gen-Z प्रदर्शनों के दौरान राष्ट्रपति के हस्तक्षेप ने देश को एक बड़े संकट से बचा लिया। उनके अनुसार, यदि राष्ट्रपति ने उस समय कदम नहीं उठाया होता, तो नेपाल "अंतरराष्ट्रीय रूप से अलग-थलग"हो सकता था और हजारों लोग भारत-नेपाल की खुली सीमा पार कर शरणार्थी बनने को मजबूर हो जाते। रिजाल ने कहा, "हम एक पराया देश बनने की कगार पर थे। अगर ऐसा होता, तो हमारे पड़ोसी (भारत) को भी हमारी समस्या का बोझ उठाना पड़ता। शुक्र है कि राष्ट्रपति ने अपने विवेक और लंबे राजनीतिक अनुभव का इस्तेमाल किया और देश को एक बड़ी त्रासदी से बचाया।" उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति का कदम न केवल संविधान की भावना के अनुरूप था बल्कि राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए आवश्यक भी था। "क्या यह सही था? हां, बिल्कुल। क्या यह संवैधानिक था? इस पर बहस हो सकती है। लेकिन अगर राष्ट्रपति केवल संविधान की शब्दशः व्याख्या करते, न कि उसकी आत्मा को समझते, तो शायद हालात बेकाबू हो जाते।" रिजाल ने माना कि सितंबर 8-9 के विरोध प्रदर्शनों में जनता का गुस्सा सिर्फ सोशल मीडिया प्रतिबंध तक सीमित नहीं था, बल्कि वह भ्रष्टाचार, असमानता और प्रशासनिक उदासीनता से भी उपजा था। "अगर हम लोगों की बात नहीं सुनते चाहे वो सोशल मीडिया बैन के विरोध की हो या भ्रष्टाचार की तो हम एक बड़ी गलती करते "। रिजाल ने प्रदर्शनकारियों को तीन वर्गों में बांटा-राजनीति से निराश युवाओं की भीड़, लूटपाट करने वाले अवसरवादी तत्व, घटनास्थल पर बाद में जाकर मलबे में कुछ खोजने वाले लोग। उन्होंने कहा, "अगर हमारे समाज में दो वर्ग रह गए हैं एक जिसके पास सब कुछ है और दूसरा जिसके पास कुछ नहीं तो यह गुस्सा और असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।" पूर्व मंत्री ने जोर दिया कि अब नेपाल को विश्वसनीय और निष्पक्ष चुनाव कराने पर पूरा ध्यान देना चाहिए।"वर्तमान सरकार का एकमात्र जनादेश यही है कि वह निष्पक्ष चुनाव कराए। प्रधानमंत्री को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी कैबिनेट के सदस्य रेफरी की तरह काम करें निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से।"उन्होंने कहा कि सरकार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने और चुनावी संस्थानों को सशक्त करने पर काम करना चाहिए ताकि जनता का भरोसा बहाल हो सके। रिजाल ने अपनी पार्टी से भी आत्मनिरीक्षण करने की अपील की। "हमें जनता का संदेश समझना होगा। हमें स्वीकार करना चाहिए कि हमने अतीत में गलतियां कीं और अब उन्हें सुधारने का समय है।" मिनेंद्र रिजाल के अनुसार, राष्ट्रपति का हस्तक्षेप उस समय आवश्यक था, क्योंकि इसने देश को राजनीतिक अराजकता और मानवीय संकट से बचाया। अब नेपाल के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता लोकतंत्र की पुनर्स्थापना और संवैधानिक प्रक्रिया को मजबूत बनाना है।

संक्षिप्त ख़बरें

हिंद महासागर में बड़ा हादसा: मलेशिया जा रही सैंकड़ों प्रवासियों से भरी नाव पलटी, 290 लोग लापता

म्यांमार से लगभग 300 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव थाईलैंड और मलेशिया की सीमा के पास हिंद महासागर में डूब गई, जिससे एक बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे में सिर्फ 10 लोग जीवित बचे, जबकि सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं। रेस्क्यू एजेंसियों के अनुसार, नाव के डूबने की सटीक जगह और समय का पता नहीं चल सका, जिसके कारण बचाव कार्य में देरी हुई। एक अधिकारी ने बताया कि जहाज संभवतः थाई जलक्षेत्र में पलट गया, और चेतावनी दी कि सीमा पार मानव तस्कर गिरोह प्रवासियों का शोषण करने के लिए खतरनाक समुद्री रास्तों का उपयोग कर रहे हैं। मलेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी ने बताया कि नाव म्यांमार के रखाइन राज्य के बुथीदांग शहर से रवाना हुई थी और तीन दिन पहले डूब गई। लंगकावी द्वीप के पास 10 लोगों को बचाया गया, जिनमें एक बांग्लादेशी और कई म्यांमार निवासी शामिल हैं। एक महिला का शव भी समुद्र से बरामद हुआ है।

न्याय की जिससे थी उम्मीद उसी ने लूटी इज्जत! वकील ने महिला से किया दुष्कर्म, ... शिकायत पर हुआ बड़ा एक्शन

जिले में एक महिला से बलात्कार करने के आरोप में एक वकील को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एक महिला ने गत सात नवंबर को एकता थाने में दी गई तहरीर में कहा था कि उसका बलात्कार का एक मामला अदालत में चल रहा था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच में होटल के ष्ष्ट्टञ्जङ्क फुटेज और अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात की है। पीड़िता के अनुसार, आरोपी पक्ष के वकील जितेंद्र ने दोनों पक्षों के बीच समझौता करने का प्रस्ताव रखा था जिस पर रजामंदी भी बन गई थी। उन्होंने बताया कि महिला का आरोप है कि विगत छह नवंबर को जितेंद्र ने उसे समझौते के लिए बुलाया, अपनी कार में बैठा कर धोखे से शराब पिलाई और एक होटल में ले जाकर उससे दुष्कर्म किया। सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके आरोपी वकील को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच की जा रही है।

ईरान-पाकिस्तान की कठोर कार्रवाई: एक ही दिन में जबरन निकाले 12000 से ज्यादा अफगान शरणार्थी, मदद करने वालों को दी सज़ा की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अफगानिस्तान के लिए यह एक और मानवीय संकट का दिन रहा, जब रविवार को ईरान और पाकिस्तान से 12,000 से अधिक अफगान शरणार्थियों को जबरन वापस भेज दिया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हामिदुल्लाह फिटरत ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यह निर्वासन अफगान शरणार्थियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई का हिस्सा है। फिटरत ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स (X) पर साझा की गई हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग माइग्रेंट्स' इश्यूज की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि रविवार को कुल 2,194 परिवारों के 12,666 सदस्य अफगानिस्तान लौटे। ये लोग ईरान और पाकिस्तान की सीमाओं से निकलकर निमरोज़ के पुल-ए-अब्रेशम, कंधार के स्पिन बोल्डक, हेरात के इस्लाम क़ला, हेलमंद के बहरामचा और नंगरहार के तोरखम क्रॉसिंग पॉइंट्स से देश में दाखिल हुए। तालिबान प्रवक्ता के मुताबिक, 1,609 परिवारों (10,533 लोग) को उनके मूल इलाकों

तक पहुंचाया गया, जबकि 1,966 परिवारों को मानवीय सहायता दी गई। साथ ही दूरसंचार कंपनियों ने 1,665 शरणार्थियों को सिम कार्ड भी प्रदान किए। इससे एक दिन पहले, शनिवार को भी 12,455 अफगान नागरिकों को ईरान और पाकिस्तान से जबरन वापस भेजा गया था। पाकिस्तान में पिछले महीने शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक लाखों अफगान शरणार्थियों को हिरासत में लिया गया है या निर्वासित किया गया है। अक्टूबर में, कई अफगान शरणार्थियों ने पाकिस्तान में हो रही कार्रवाई पर गहरी चिंता जताई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मस्जिदों से घोषणा की कि कोई भी व्यक्ति अगर शरणार्थियों को घर या दुकान किराए पर देगा, तो उसे "अपराधी" घोषित किया जाएगा। एक अफगान शरणार्थी अतीकुल्लाह मंसूर ने स्थानीय मीडिया TOLO News से कहा, "बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थी, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं, पिछले 15 दिनों से हिरासत केंद्रों में बेहद कठोर परिस्थितियों में रह रहे हैं।" कई शरणार्थियों ने बताया कि पाकिस्तान सरकार न केवल उन्हें गिरफ्तार कर रही है, बल्कि उनके अस्थायी आश्रय स्थलों को भी ध्वस्त कर रही है। उन्होंने सर्दियों के मौसम को देखते हुए सरकार से अपील की है कि वह कम से कम ठंड खत्म होने तक उन्हें रहने की अनुमति दे। एक अन्य शरणार्थी ने कहा, "सर्दी शुरू हो चुकी है। हमारे घरों को तोड़ा जा रहा है। अगर बाकी बचे आश्रयों को भी नष्ट कर दिया गया, तो हमारे पास सिर छिपाने की जगह नहीं बचेगी। सरकार ने स्थानीय लोगों को भी चेतावनी दी है कि जो अफगानों को घर किराए पर देंगे, उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"इस पूरी स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने पाकिस्तान और ईरान से अपील की है कि वे निर्वासन अभियान को रोकें और शरणार्थियों को सुरक्षित और मानवीय परिस्थितियों में रहने दें।

जेलेंस्की के इंटरव्यू के बीच हुआ अंधेरा, घबराए ब्रिटिश पत्रकार तो हंसकर बोले- कीव और यूक्रेन में अब ऐसा ही है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रूस-यूक्रेन युद्ध को चार साल बीत गए हैं. इतने सालों से युद्ध कर रहे रूस और यूक्रेन में बहुत कुछ बदल गया है. रूस के कुछ हिस्सों में युद्ध का बुरा प्रभाव दिखता है तो यूक्रेन की राजधानी कीव तक में हाल ये है कि ऊर्जा सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं. इसकी एक बानगी तब देखने को मिली, जब वे मरीनस्की पैलेस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेन्स्की के साथ ब्रिटिश अखबार द गार्जियन का इंटरव्यू चल रहा था. दरअसल ये इंटरव्यू उस वक्त चर्चा में आ गया जब बातचीत के दौरान दो बार बिजली चली गई. इंटरव्यू की वीडियो रिकॉर्डिंग यूट्यूब पर जारी की गई है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि बातचीत के बीच अचानक पूरा हॉल अंधेरे में डूब जाता है. पहली बार बिजली इंटरव्यू की शुरुआत में ही चली गई. इसके बाद कुछ सेकंड तक कमरे में हलचल रही, फिर बैकअप जनरेटर चालू होने के बाद रोशनी लौटी और बातचीत दोबारा शुरू हुई।

बोलते-बोलते छा गया अंधेरा

इंटरव्यू को जब फिर शुरू किया गया, तो कुछ देर बाद दूसरी बार भी लाइट गुल हो गई. इस बार बातचीत रुकने के बजाय बिना ट्रांसलेटर के ही जारी रही, जब तक कि बैकअप पावर दोबारा चालू नहीं हुआ. इस इंटरव्यू को पत्रकार ल्यूक हार्डिंग रिकॉर्ड कर रहे थे. उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि जेलेंस्की ने इस पूरे वाक्ये को बेहद सहजता से लिया और बिजली आने के बाद मुस्कुराते हुए कहा - 'ये कोई आतंकी हमला नहीं है ये हमारी जिंदगी की हकीकत है. कीव में और बाकी जगहों पर भी, बिजली का जाना अब आम बात है।'

ऊर्जा ढांचे को पहुंचा है नुकसान

जेलेंस्की का यह बयान यूक्रेन की मौजूदा स्थिति को दर्शाता है, जहां रूसी हमलों के कारण ऊर्जा ढांचे को बार-बार नुकसान पहुंचा है. राजधानी कीव समेत कई शहरों में बिजली आपूर्ति अक्सर बाधित रहती है और लोग जनरेटर या बैकअप सिस्टम पर निर्भर रहते हैं. इस घटना का वीडियो वायरल हुआ तो सोशल मीडिया पर लोगों ने लिखा कि ये पश्चिम को दिखाने की कोशिश है कि यूक्रेन किन हालात से जूझ रहा है. ऐसा नहीं है कि सिर्फ यूक्रेन में स्थिति ऐसी है, यूक्रेन ने भी रूस के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाकर हमले किए हैं, जिसकी वजह से रूस के कई इलाके पूरी-पूरी रात अंधेरे में डूबे रहे।

रूस वार्ता के लिए है तैयार

हालांकि इस बीच रूस की ओर से शांति को लेकर एक ऐसी पहल की गई है, जो एक बार फिर से रूस-यूक्रेन युद्ध में किसी समझौते की ओर इशारा करती है. क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान के जवाब में कहा है कि रूस युद्ध का अंत करेगा लेकिन जब वो अपने लक्ष्यों को पा लेगा. वो चाहता है कि ये राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से हो।

तिरुपति महाप्रभु के करोड़ों भक्तों से धोखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिरुपति मंदिर से जुड़े लड्डू विवाद में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. एक डेयरी जिसने कभी दूध या बटर (मक्खन) का एक कतरा भी नहीं खरीदा, उसने तिरुपति मंदिर ट्रस्ट या तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD) को 60 महीने यानी 5 साल में 68 लाख किलोग्राम घी की सप्लाई कर दी. CBI की जांच में यह चौंकाने वाली बात सामने आई है. मिलावटी घी से पवित्र लड्डू बनाने के मामले की जांच के दौरान यह बात सामने आई है. सीबीआई के इस खुलासे से कई सवाल उठने लगे हैं. सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि TTD में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी कि महीनों से चले आ रहे करोड़ों रुपये के इस महाघोटाले का समय रहते पता लगाया जा सके. बता दें कि तिरुपति मंदिर के पवित्र लड्डू को प्रसाद के तौर पर लखों-करोड़ों भक्त खरीदते हैं।

TTD (आंध्र प्रदेश के विख्यात तिरुपति मंदिर का संचालन करने वाला ट्रस्ट) में लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी में भारी स्तर पर मिलावट का बड़ा घोटाला सामने आया है. सीबीआई की विशेष जांच टीम (SIT) की जांच में पता चला है कि उत्तराखंड की एक डेयरी ने 2019 से 2024 के बीच 68 लाख किलोग्राम घी की सप्लाई TTD को की, जिसकी कीमत लगभग 250 करोड़ रुपये थी. चौंकाने वाली बात यह है कि वह डेयरी किसी भी स्रोत से न तो दूध खरीदती थी और न ही मक्खन।

गजब का अपनाया ट्रिक

CBI के अनुसार, हरिद्वार जिले के भगवाणपुर में स्थित भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी के प्रमोटर पामिल जैन और विपिन जैन ने एक फर्जी देसी घी उत्पादन यूनिट खड़ी की. उन्होंने दूध और मक्खन की खरीद से संबंधित दस्तावेज़ फर्जी तरीके से बनाए और पेमेंट रिकॉर्ड्स में हेरफेर किया, ताकि यह दिखाया जा सके कि घी का उत्पादन नियमित रूप से हो रहा है. जांच में गिरफ्तार किए गए आरोपी अजय कुमार सुगंध ने SIT को जानकारी दी कि वह डेयरी को मोनोडाइग्लिसराइड्स (monodiglycerides) और एसेटिक एसिड एस्टर जैसे केमिकल सप्लाई करता था. ये रसायन औद्योगिक और खाद्य मिलावट में उपयोग होते हैं और घी में बनावट व स्थिरता बढ़ाने के लिए मिलाए जाते थे।

2022 में ब्लैकलिस्ट होने के बाद भी जारी रही सप्लाई

भ्रष्टाचार और मिलावट की शिकायतों के आधार पर TTD ने साल 2022 में भोले बाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट कर दिया था. CBI के अनुसार, इसके बाद भी डेयरी मालिकों ने अन्य डेयरी फर्मों के नाम पर टेंडर हासिल कर घी की सप्लाई जारी रखी. इनमें वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और A R डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) शामिल हैं. CBI ने अपनी रिमांड रिपोर्ट में बताया कि घी के कई स्टॉक जानवरों की चर्बी मिलाकर तैयार किए गए थे. जांच में यह भी खुलासा हुआ कि जुलाई 2024 में TTD ने A R डेयरी से आए चार टैंकर घी को मिलावट के चलते रिजेक्ट कर दिया था. लेकिन वे टैंकर डेयरी प्लांट में वापस नहीं लौटे. FSSAI और SIT ने जांच में पाया कि उन्हें सीधे वैष्णवी डेयरी के पास ले जाया गया।

यूपी: फीस को लेकर प्रिंसिपल द्वारा कथित तौर पर अपमानित किए गए छात्र ने खुद को आग लगाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- यूपी के मुजफ्फरनगर में बुढ़ाना के एक डिग्री कॉलेज छात्र ने शनिवार (8 नवंबर) सुबह एक कक्षा के अंदर खुद को आग लगा ली और गंभीर रूप से घायल हो गए. बीए द्वितीय वर्ष के छात्र का आरोप है कि कॉलेज के प्रिंसिपल ने फीस न चुकाने को लेकर उन्हें लगातार परेशान किया. उन्होंने एक नोट में कहा कि उन्हें सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा किया गया क्योंकि 1,700 रुपये का भुगतान करने के बाद भी 7,000 रुपये बकाया थे. हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ित 20 वर्षीय छात्र पास के एक गांव का रहने वाला है, जिसने डीएवी पीजी डिग्री कॉलेज परिसर में यह आत्मघाती कदम उठाया और 70% से ज़्यादा जलने की हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्हें पहले एक स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, फिर मेरठ रेफर कर दिया गया और बाद में चोटों की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया. अखबार के अनुसार, कथित तौर पर उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके बाद उन्होंने शनिवार दोपहर यह कदम उठाया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में उन्हें आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाया गया है. छात्र ने प्रिंसिपल पर शारीरिक उत्पीड़न और सार्वजनिक अपमान का आरोप लगाया छात्र कई दिनों से तानों और गालियों का शिकार हो रहा था. खुद को आग लगाने से पहले उन्होंने दो दिन पहले एक वीडियो बयान और एक हस्तलिखित नोट जारी किया था, जिसमें उन्होंने प्रिंसिपल प्रदीप कुमार पर 'शारीरिक उत्पीड़न और सार्वजनिक अपमान' का आरोप लगाया था. उन्होंने कहा कि कॉलेज प्रशासन ने सज़ा के तौर पर उसका परीक्षा फॉर्म स्वीकार करने से इनकार कर दिया. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रिंसिपल ने 'सबके सामने' उनका अपमान किया और कहा कि 'यह कॉलेज कोई धर्मशाला नहीं है.' प्रिंसिपल पर गाली-गलौज, उनके बाल खींचने और पिटाई करने का भी आरोप है. उन्होंने एक वीडियो में कथित तौर पर कहा, 'प्रिंसिपल प्रदीप कुमार ने मुझे अपने कार्यालय में बुलाया और मुझसे 5,000 रुपये फीस जमा करने को कहा. मैंने उनसे कहा कि मैंने परीक्षा फीस ऑनलाइन जमा कर दिया है और जैसे ही मेरे पिता को मिल से गन्ने का भुगतान मिलेगा, मैं ट्यूशन फीस जमा कर दूंगा. उन्होंने मुझे गालियां दीं, मेरे बाल पकड़े और मुझ पर हमला किया. वह मुझे कॉलेज के गेट तक ले गए और फिर से मेरे साथ मारपीट की.' छात्र ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने कथित तौर पर पुलिस को बुलाया और तीन पुलिसकर्मियों ने भी उन्हें 'गाली-गलौज की और धक्का देकर' परिसर से बाहर निकाल दिया. उन्होंने आगे कहा, 'मैंने पहले भी उन गरीब और असहाय छात्रों के लिए आवाज़ उठाई थी जो समय पर अपनी फीस नहीं भर पा रहे थे. मुझे इसकी सज़ा मिली. कॉलेज (प्रबंधन) ने पुलिस बुला ली. मुझे उनके सहयोग की उम्मीद थी, लेकिन पुलिसकर्मियों - धर्मवीर (सिंह), नंद किशोर और विनीत (कुमार) ने मेरा अपमान किया और मुझे धमकाया.' उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अगर वह आत्महत्या करते हैं, तो इसकी ज़िम्मेदारी प्रिंसिपल और तीन पुलिसकर्मियों की होगी. इस घटना के बाद छात्रों और स्थानीय लोगों ने कॉलेज के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रिंसिपल के खिलाफ केस

छात्र की बहन की शिकायत के आधार पर बुढ़ाना पुलिस ने डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल के खिलाफ बीएनएस की धारा 352 (हमला) और 351(3) (गंभीर नुकसान पहुंचाने की धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है.

शनिवार देर शाम ज़िला मजिस्ट्रेट उमेश मिश्रा और ज़िला पुलिस प्रमुख, एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने कॉलेज का दौरा किया और गहन जांच के आदेश दिए।

मुज़फ़्फ़रनगर के एसपी संजय कुमार ने बताया कि छात्र द्वारा नामजद तीन पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है.

द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, तीनों पुलिसकर्मियों पर अभी तक मामला दर्ज नहीं किया गया है।

प्रिंसिपल कुमार ने आरोपों से इनकार किया और दावा किया कि उन्होंने छात्र को केवल उनकी बकाया फीस के बारे में याद दिलाया था।

अरबों डॉलर का है कुत्तों के बाजार का अर्थशास्त्र

भारतीय समाज और मीडिया में पिछले तीन महीनों से कुत्ते चर्चा में छाए हुए हैं। यह पहली बार है कि समाचार-पत्रों के मुखपृष्ठों और टीवी के प्राइम टाइम में नेताओं के बराबर ही कुत्तों को जगह मिली है। कृपया मुझे गलत न समझें, मेरा इरादा इनका तुलनात्मक अध्ययन नहीं है। दरअसल इंसानों की तरह ही कुत्तों की भी नस्लें होती हैं, इनमें भी वर्ग-भेद होता है। कुछ खुशनसीब एलीट होते हैं तो अधिकांश वंचित वर्ग यानी गली-कूचों में पलने वाले, जिन्हें 'गली का आवारा कुत्ता' यानी 'स्ट्रे डॉग' कहा जाता है। पिछले लंबे समय से आवारा कुत्तों की बढ़ती हिंसक घटनाओं के कारण सात नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने 'इंसानी जानें पशुओं से ऊपर हैं' बताते हुए उन्हें सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, बस-रेलवे स्टेशनों, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, हाईवे और एक्सप्रेस वे से हटा कर इन्हें शेल्टर होम्स में भेजने के निर्देश हैं। आवारा कुत्तों से अलग हटकर बात की जाए तो वैश्विक स्तर पर 'कुत्तों का अर्थशास्त्र' या 'डॉग इकोनॉमी' पेट केयर इंडस्ट्री का एक प्रमुख हिस्सा है, जो कुत्तों से जुड़े उत्पादों, सेवाओं और बाजार से जुड़ी है। जिसमें भोजन, ग्रूमिंग, स्वास्थ्य सेवा और सामान शामिल हैं। 2024 में वैश्विक 'पेट बिजनेस इंडस्ट्री' का आकार 360 बिलियन डॉलर से अधिक हो चुका है। यह इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। 2025 में ही लगभग 273.42 अरब डॉलर का बिजनेस अनुमानित है, जिसमें कुत्तों से जुड़े उत्पाद और सेवाएं 40-50 फ़ीसदी हिस्सा रखती हैं, ये आंकड़े वैश्विक बाजार के हैं जिनमें कुत्ते पेट सबसे बड़े सेगमेंट (लगभग 50 प्रतिशत) हैं। कुत्तों से जुड़े कारोबार के अनेक आयाम हैं। अमेरिकन पेट प्रोडक्ट्स एसोसिएशन के अनुसार खाना और ट्रीट्स सबसे बड़ा सेगमेंट है। प्रीमियम, ऑर्गेनिक और स्पेशल डाइट वाले उत्पाद लोकप्रिय हैं। इसका अनुमानित कारोबार 42.59 अरब डॉलर है। सामान्य खाने जिसमें चिकन, मीट, ब्रेडसब्ज़ियाँ और अनाज आदि होते हैं, उनका कुल बाजार 158.42 अरब डॉलर का है। सप्लाईज, खिलौने और एक्सेसरीज को ही लें, इसमें कॉलर, लीड, बेड, खिलौने, कपड़े और ट्रेनिंग प्रोडक्ट्स शामिल हैं। पेट केयर और वैक्सीन, दवाएं और हेल्थ प्रोडक्ट्स का कारोबार 39.8 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। कुत्तों के साज-शृंगार के लिए विशेष आउटलेट्स भी बहुत आम हो चुके हैं। इन्हें 'डॉग ग्रूमिंग सैलून', 'पेट स्पा' या 'मोबाइल ग्रूमिंग सर्विस' कहा जाता है। इस फ़ील्ड में अब उच्च शिक्षित युवा गंभीरता से आगे आ रहे हैं। क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर की होने वाली बहू सानिया चंडोक ने मुंबई में प्रीमियम पेट स्पा सेंटर खोला है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई करने के बाद अर्जुन तेंदुलकर की मंगेतर सानिया 'मिस्टर पॉज़' की फाउंडर बन चुकी हैं जो एक प्रीमियम पेट सैलून एंड स्पा सेंटर है। जहां फर वाले पालूत जानवरों यानी कुत्ते और बिल्ली को लक्जरी सुविधाएं मिलती हैं। यहां इन जानवरों की हेयर कटिंग और स्पा के अलावा शैम्पू, दवाइयां, विटामिन सप्लिमेंट्स, खाने-पीने के सामान के साथ-साथ खिलौने और यहां तक कि कपड़े भी मिलते हैं। भारत में कुत्तों से जुड़े उत्पादों का वैश्विक सालाना कारोबार 2025 में 100 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जो 2030 तक 150 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वैश्विक स्तर पर ये बाजार 2025 में 7.26 अरब डॉलर का है और अमेरिका, यूके, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में हजारों ऐसे सैलून हैं। भारत में भी दिल्ली, मुंबई जैसे शहरों में पेट स्पा बढ़ रहे हैं। अब तो पेट्स का बीमा भी होने लगा है। पेट इंश्योरेंस इंडस्ट्रीज के मुताबिक इस बाजार के 2025 तक 80 लाख डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। प्रौद्योगिकी के तहत स्मार्ट कॉलर, जीपीएस ट्रैकर और पालतू जानवरों के लिए ऐप जैसी तकनीकें भी इस उद्योग में शामिल हो चुकी हैं। इसके साथ ही देश में पालतू जानवरों के प्रशिक्षण और बोर्डिंग सर्विस भी बड़ा बिजनेस बनती जा रही है। यह तो हुई एलीट क्लास कुत्तों से जुड़े कारोबार की बात। अब महत्वपूर्ण है, कुत्तों से जुड़ी प्रमुख बीमारियां और उनसे जुड़े फार्मास्यूटिकल बिजनेस की चर्चा, जो कंपनियों को सालाना अरबों डॉलर का राजस्व देती हैं। वैश्विक पशु चिकित्सा (वेटरनरी) फार्मा इंडस्ट्री का एक बड़ा हिस्सा है, जो 2025 में कुल 47.25 अरब डॉलर का बाजार है। इसमें कुत्तों से जुड़ी बीमारियां जैसे वैक्सीन, पैरासाइट कंट्रोल और कैंसर ट्रीटमेंट प्रमुख हैं। कुत्तों की कुछ बीमारियों की दवा और इलाज से कंपनियों को बड़ा बिजनेस मिलता है। इनमें मुख्य हैं रैबीज। वैश्विक पशु रैबीज वैक्सीन बाजार 2025 में लगभग 500 मिलियन डॉलर

का है, जो 2030 तक 1.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। पश्चिमी और यूरोप की अनेक नामी कंपनियां रैबीज वैक्सीन से ही सालाना अरबों रुपए कमाती हैं। वैश्विक हार्टवर्म ट्रीटमेंट बाजार भी 2025 में 1.55 अरब डॉलर पहुंच चुका है, जो पेट डीज़ीज़ बिजनेस एक्सपर्ट्स के अनुसार 2034 तक 2.85 अरब डॉलर हो जाएगा। इनके अलावा कुत्तों में फ्ली और टिक इन्फेस्टेशन, पैरावायरस,लिम्फोमा, मेलानोमा जैसी कैंसर आम बीमारियां हैं। कंपैनियन एनिमल फार्मा में कैंसर ट्रीटमेंट हाई-ग्रोथ सेगमेंट, कुल वेटरनरी मार्केट 49.96 अरब डॉलर का है। दुनिया के कई देशों में स्ट्रे डॉग्स की आबादी नियंत्रित करने, रोगों से बचाव और पशु कल्याण के लिए सरकारी स्तर पर नसबंदी कार्यक्रम भी लागू किया जाता है। पूरी दुनिया मे इसके लिए करोड़ों डॉलर का बजट होता है। भारत में स्ट्रे डॉग्स की नसबंदी के लिए 2025-26 में करीब 150 करोड़ का बजट है।

हरीश शिवनानी

तस्वीर नहीं, व्यवस्था बदलनी है - निलंबन नहीं, इंसानियत बहाल करो

शर्म का वीडियो वायरल हुआ, जवाबदेही का नहीं
वीडियो से नहीं, विवेक से डरो — तभी बदलाव आएगा

मध्यप्रदेश श्योपुर जिले के विजयपुर विकासखंड के तिरंगापुरा मिडिल स्कूल में मिड-डे मील की शर्मनाक हकीकत सामने आई है। धूप में ज़मीन पर बैठे मासूम बच्चे, सामने बिछे रद्दी अख़बार के टुकड़े। उस पर रखी रोटी, थोड़ी दाल/सब्जी, और ऊपर से अख़बार पर छपी होगी – "विकास की रफ़्तार दोगुनी" जैसी खबरें; जो उनके भूख और हालात की सच्चाई से बिल्कुल उलझती हुई लगती हैं। बच्चे हाथ बढ़ाते हैं, स्याही लगती है उंगलियों पर, ज़हर घुलता है खाने में। यह कोई काल्पनिक दृश्य नहीं। यह उस वीडियो का सच्चाई है जो वायरल हुआ और पूरे तंत्र को हिला गया। पर असली सवाल यह नहीं कि यह हुआ – बल्कि यह है कि ऐसी सच्चाई अब तक छिपी कैसे रही? जिस दिन वीडियो सामने आया – उसी दिन निलंबन हुए। जिस दिन कैमरा चला – उसी दिन जांच बैठी। और जिस दिन लाखों लोगों ने देखा – उसी दिन "सख़्त निर्देश" जारी कर दिए गए। यह कोई संयोग नहीं, यह व्यवस्था का डर है – कैमरे का डर, सोशल मीडिया का डर, जनता की नज़रों का डर। जब तक कोई फ़ोन नहीं उठा, जब तक किसी बच्चे ने रिकॉर्ड नहीं किया – तब तक यह सब यूँ ही चलता रहा। तो सवाल उठता है – क्या यह सिर्फ़ एक स्कूल की गलती थी, या पूरे सिस्टम की मिलीभगत? ना जाने कब से बच्चों को रद्दी अखबार पर खाना परोसा जा रहा था, निरीक्षक कहाँ थे? मॉनिटरिंग कमेटी कहाँ थी? और वह फंड, जो बच्चों के पोषण के नाम पर आता है – आखिर ग़ायब कहाँ हो गया? बस एक बार गूगल पर "मिड-डे मील घोटाला" लिखिए – और सामने खुल जाएगी देश-प्रदेश के स्कूलों की कटु सच्चाई। कहीं दाल में कीड़े मिले, कहीं आटे में घुन, कहीं चावल में इल्लियाँ रेंगती दिखीं, कहीं सब्ज़ी से सड़ांध उठी – और कहीं मासूम बच्चों को आधी रोटी में पूरा दिन काटना पड़ा। सवाल यह है – क्या हर बार एक वीडियो ही आँखें खोलेगा? क्या हर गाँव को सच्चाई दिखाने के लिए एक पत्रकार चाहिए? नहीं। ज़रूरत है ऐसी निगरानी की मज़बूत ज़ंजीर की – जो हर स्कूल तक पहुँचे, हर रसोई में झाँके, हर थाली तक गिनती करे। ताकि सच्चाई कैमरे या वायरल वीडियो का मोहताज न रहे, ज़मीर की नज़र से देखी जाए। निलंबन बस एक पर्दा है – जवाबदेही पर नहीं, शर्म पर डाला गया आवरण। चेहरे बदल दिए जाते हैं, लेकिन सिस्टम जस का तस रहता है। अगले हफ़्ते नया प्रभारी आएगा, और फिर वही पुरानी कहानी दोहराई जाएगी। समाधान कार्रवाई नहीं, निगरानी है – वह भी स्थायी। हर स्कूल में सीसीटीवी हो, जिसकी लाइव फ़ीड अभिभावक अपने ऐप पर देख सकें।

हर मिड-डे मील ग्रुप का ऑडिट हर 15 दिन में हो और रिपोर्ट जनता के सामने रखी जाए। हर बच्चे के अभिभावक को बिना सूचना के स्कूल में जाकर निरीक्षण करने का अधिकार मिले। और हर दिन परोसे गए भोजन की एक फ़ोटो अपलोड की जाए – जीपीएस और टाइमस्टैम्प सहित, ताकि जवाबदेही सिर्फ़ कागज़ों में नहीं, ज़मीनी हकीकत में दिखे। ये बच्चे सिर्फ़ पेट नहीं भरते – वे देश का भविष्य गढ़ते हैं, सपनों को संवारते हैं, उम्मीदों को जीवन देते हैं। उनकी थाली केवल स्टील की नहीं होती, वह सम्मान, समानता और अधिकार का प्रतीक होती है। पर जब कोई बच्चा ज़मीन पर बैठकर रद्दी अख़बार पर खाना खाता है, तो वह निवाला नहीं खाता – अपना आत्मसम्मान निगलता है। उसे सिखाया जाता है – "तेरी जगह नीचे है, तू दूसरी श्रेणी का है।" यह सिर्फ़ भूख की नहीं, आत्मविश्वास, गरिमा और सपनों की हत्या है। और हर ऐसी थाली, जिस पर रोटी से पहले अपमान परोसा जाता है – उस पर पूरे तंत्र की नाकामी की छाप उभर आती है। आज एक वीडियो ने सिस्टम को हिला दिया – पर बदलाव वो नहीं जो कैमरे दिखाएँ, बदलाव वो है जो कैमरा बंद होने के बाद भी कायम रहे। अब वक्त है निलंबन की फाइलें बंद करने का, और जवाबदेही की स्क्रीनें हमेशा चालू रखने का। हर बच्चे की थाली में सिर्फ़ रोटी नहीं, सम्मान, बराबरी और इंसाफ़ परोसने का। क्योंकि वीडियो वायरल होते हैं, लेकिन जख्म़ हमेशा भीतर रह जाते हैं। क्योंकि कैमरे एक दिन बंद हो जाएँगे – पर बच्चे की नज़र, उसका सवाल, उसकी याद कभी नहीं बंद होगी। और जब वही बच्चा बड़ा होकर पूछेगा – "आप कहाँ थे जब हमें अख़बार पर खाना परोसा गया?" तो उस दिन जवाब तैयार रखना चाहिए – "हमने तस्वीर नहीं, व्यवस्था बदली थी। हमने ऐसा सिस्टम बनाया था, जहाँ सच को वीडियो की ज़रूरत नहीं पड़ती।"

प्रो. आरके जैन

बंगाल की बेटी, भारत का गर्वः ऋचा घोष की दोहरी जीत

क्रिकेट के मैदान से लेकर पुलिस की वर्दी तक का सफर, और वह भी सिर्फ 22 साल की उम्र में-यह कोई आम कहानी नहीं, बल्कि प्रेरणा की मिसाल है। ऋचा घोष ने एक बार फिर यह साबित किया है कि अगर संकल्प सच्चा हो और मेहनत निरंतर, तो कोई मंज़िल दूर नहीं रहती। हाल ही में महिला आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली टीम की यह युवा खिलाड़ी अब राज्य पुलिस सेवा में अधिकारी बनी हैं। बंगाल सरकार ने उनके इस अद्भुत प्रदर्शन को सम्मानित करते हुए उन्हें न सिर्फ 'बंग भूषण' जैसे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से नवाजा, बल्कि डीएसपी (पुलिस उपाधीक्षक) पद पर भी नियुक्त किया। कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्वयं मंच पर आकर ऋचा को यह सम्मान सौंपा। उन्हें बंग भूषण पदक, डीएसपी की नियुक्ति पत्र और एक सोने की चेन भेंट की गई। यह केवल एक सम्मान समारोह नहीं था, बल्कि बंगाल और भारत के खेल इतिहास में गौरव का क्षण था। महज 22 वर्ष की उम्र में ऋचा घोष ने जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी भी युवा के लिए एक सपने जैसा है। क्रिकेट के मैदान पर अपने साहस और कौशल से वे पहले ही देशभर में पहचान बना चुकी थीं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वर्ल्ड कप फाइनल में उनकी 34 रनों की जुझारू पारी ने भारत को पहली बार महिला क्रिकेट विश्व कप का विजेता बना दिया। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन ने भी उनकी इस उपलब्धि को सुनहरे अक्षरों में दर्ज करते हुए उन्हें 'गोल्डन बैट', 'गोल्डन बॉल' और 34 लाख रुपये की नकद राशि भेंट की-हर रन के बदले एक लाख रुपये। यह सम्मान न केवल उनके प्रदर्शन की सराहना थी, बल्कि उनके संघर्ष, अनुशासन और आत्मविश्वास की भी पहचान थी। ऋचा घोष का यह सफर आसान नहीं रहा। सिलिगुड़ी जैसे छोटे शहर से निकलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह बनाना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बचपन में जब उन्होंने पहली बार बल्ला थामा था, तब शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि यह लड़की एक दिन भारत को विश्व विजेता बनाएगी। परंतु ऋचा ने हर चुनौती को अवसर में बदला। पुरुष-प्रधान खेल माने जाने वाले क्रिकेट में उन्होंने न केवल अपनी जगह बनाई बल्कि विकेट कीपिंग और बल्लेबाजी दोनों में भारतीय टीम की 'रीढ़' बन गई। वे उन नई पीढ़ी की खिलाड़ियों में हैं जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को नई ऊर्जा, आक्रामकता और आत्मविश्वास दिया है। ईडन गार्डन्स में हुए सम्मान समारोह में सौरव गांगुली, झूलन गोस्वामी और खेल जगत के कई दिग्गज मौजूद थे। जब ममता बनर्जी ने उन्हें बंग भूषण पदक पहनाया, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह पल केवल ऋचा के लिए नहीं, बल्कि हर उस लड़की के लिए था जो अपने सपनों की ओर बढ़ने का साहस रखती है। ऋचा के माता-पिता की आंखों में गर्व और भावुकता दोनों थे। उन्होंने अपनी बेटी को उस ऊंचाई पर देखा, जहां पहुंचना लाखों का सपना होता है। बंगाल सरकार की यह पहल-खेल प्रतिभा को प्रशासनिक जिम्मेदारी के साथ जोड़ने की भारत में एक नए दौर की शुरुआत है। यह संदेश देती है कि खेल केवल मैदान तक सीमित नहीं, बल्कि समाज और शासन में भी योगदान का माध्यम बन सकता है। किसी खिलाड़ी को सरकारी सेवा में इस तरह सम्मानित करना न सिर्फ प्रेरक है, बल्कि युवाओं को यह विश्वास भी दिलाता है कि उनकी मेहनत को समाज और सरकार दोनों पहचानेंगे। ऋचा घोष की कहानी इस मायने में भी खास है कि उन्होंने अपनी उपलब्धि को व्यक्तिगत विजय तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे सामाजिक प्रेरणा में बदल दिया।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान हर उस लड़की के नाम है जो सपनों को लेकर मैदान में उतरती है। उनका यह बयान उन हजारों बेटियों के लिए उम्मीद की किरण बन गया है जो अपने परिवार, समाज या परिस्थितियों के कारण अपने सपनों को पीछे छोड़ देती हैं। अब जब ऋचा पुलिस सेवा का हिस्सा बनी हैं, तो यह उनकी नई पारी की शुरुआत है। मैदान पर जहां उन्होंने विरोधियों के विकेट गिराए, अब वे समाज में अपराध और अन्याय के खिलाफ जिम्मेदारी निभाएंगी। खेल के अनुशासन, टीमवर्क और धैर्य ने उन्हें जो सिखाया, वही अब उनकी नई भूमिका में भी सहायक होगा। उनकी यह यात्रा इस बात का प्रतीक है कि खेल सिर्फ पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक चरित्र निर्माण की प्रक्रिया भी है। आज भारत में खेल संस्कृति तेजी से बदल रही है। महिला खिलाड़ियों के लिए अवसर बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी लंबा

रास्ता तय करना बाकी है। ऋचा घोष जैसी कहानियाँ इस बदलाव की ठोस मिसाल हैं। वे यह साबित करती हैं कि प्रतिभा और परिश्रम के आगे लिंग या भौगोलिक सीमाएँ कोई मायने नहीं रखतीं। बंगाल सरकार का यह निर्णय सिर्फ एक खिलाड़ी का सम्मान नहीं, बल्कि एक नई सोच का उत्सव है जहां खेल, शिक्षा और सेवा एक साथ समाज को नई दिशा देते हैं। ऋचा घोष की उपलब्धि उस नई भारत की तस्वीर पेश करती है जो अपनी बेटियों पर गर्व करता है, जो उन्हें मंच देता है, और जो उनके सपनों को राष्ट्र के सपनों से जोड़ता है। यह कहानी बताती है कि सफलता केवल ट्रॉफी जीतने में नहीं, बल्कि दूसरों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देने में है। ऋचा घोष आज सिर्फ एक क्रिकेटर या पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए उम्मीद का प्रतीक बन चुकी हैं जो यह याद दिलाती हैं कि जब मेहनत, अवसर और हौसला मिलते हैं, तो हर सपना हकीकत बन सकता है।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

विज्ञान कोई मंजिल नहीं, यह यात्रा है

जहाँ सवाल होते हैं, वहीं विज्ञान जन्म लेता है
विश्व विज्ञान दिवसः ज्ञान, विश्वास और नवाचार का उत्सव

एक अंधेरी रात में, सदियों पहले, कोई इंसान आकाश की ओर देखता है और मन में सवाल उठता है - "ये तारे क्यों टिमटिमाते हैं? ये ग्रह क्यों घूमते हैं?" यही सवाल गैलीलियो को दूरबीन थामने के लिए प्रेरित करता है, न्यूटन को सेब गिरते देखने के लिए मजबूर करता है, और आज हम मंगल पर मानव बस्तियाँ बसाने का सपना देख रहे हैं। विज्ञान केवल किताबों या डिग्रियों तक सीमित नहीं है - यह वह अंतहीन जिज्ञासा है, जो इंसान को इंसान बनाती है। हर साल 10 नवंबर को जब हम विश्व विज्ञान दिवस मनाते हैं, हम उस अविचलित जिज्ञासा को नमन करते हैं, जो अज्ञानता के अंधकार से प्रकाश की ओर हमारी राह खोलती है और हमारी सोच की सीमाओं को पीछे छोड़ देती है। यूनेस्को ने इस दिवस की शुरुआत 2001 में की थी और इसका नाम रखा था - ÷शांति और विकास के लिए विश्व विज्ञान दिवस।÷ इस नाम में ही एक संदेश छिपा हैः विज्ञान न किसी देश का गुलाम है, न किसी धर्म का विरोधी। जब दुनिया परमाणु बम की धमकियों से कांप रही थी, उसी समय विज्ञान ने इंसुलिन खोजकर मधुमेह से पीड़ित लोगों को जीवन दिया, पोलियो को जड़ से उखाड़ फेंका, और इंटरनेट जैसी क्रांति से ज्ञान की सीमाओं को तोड़ा। विज्ञान ने हमेशा यह साबित किया है कि उसके हाथों में शक्ति है - विनाश की भी, रचना की भी। दिशा तय करना हमारा काम है। आज जलवायु संकट, वैश्विक महामारी या अंतरिक्ष में नई दुनिया की खोज - हर चुनौती में विज्ञान सबसे आगे खड़ा है, हमारा मार्गदर्शन करता है और मानवता को उज्जवल भविष्य की ओर ले जाता है। भारत की मिट्टी में विज्ञान

की जड़ें गहरी हैं। हजारों साल पहले, जब आर्यभट्ट ने पृथ्वी के घूमने की बात कही, लोग हँसे। आज, हम चंद्रयान-3 के जरिए चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर पानी की खोज कर रहे हैं। कोविड के सबसे कठिन दिनों में, जब पूरी दुनिया वैक्सीन के लिए तरस रही थी, भारत ने कोविशील्ड और कोवैक्सीन विकसित कर एक अरब से ज्यादा डोज़ दुनिया को दीं। इसरो का बजट तो किसी हॉलीवुड फिल्म से भी कम है, फिर भी उसने 104 सैटेलाइट्स एक साथ लॉन्च कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। यह कमाल पैसों का नहीं, जुनून का है। और यही जुनून आज के छोटे वैज्ञानिकों में भी दिखता है - राजस्थान की एक लड़की जो सौर ऊर्जा से पानी शुद्ध करती है, बिहार का एक लड़का जो पुराने फोन से वेंटिलेटर बनाता है। ये बच्चे कल के वैज्ञानिक नहीं, आज के हीरो हैं। लेकिन रास्ते में काँटे भी हैं। अंधविश्वास आज भी सिर ऊँचा किए घूम रहा है। वैक्सीन को लेकर फैल रही अफवाहें, जलवायु परिवर्तन को झुठलाने वाले, ज्योतिष को विज्ञान बताने वाले - ये सभी विज्ञान के असली विरोधी हैं। विज्ञान सवाल करता है, जवाब माँगता है। और जो सवाल से डरते हैं, वे विज्ञान से डरते हैं। हमें चाहिएः स्कूलों में प्रयोगशालाएँ, गाँवों में इंटरनेट, और सबसे ज्यादा - ऐसा माहौल जहाँ सवाल पूछने पर डाँट न हो, बल्कि तारीफ हो। सपना देखिएः दस साल बाद का भारत। हर गाँव में सौर ऊर्जा, हर खेत में ड्रोन, हर बच्चे के हाथ में टैबलेट और दिमाग में सवाल। कैंसर का इलाज सस्ता और सुलभ हो, हवा साफ हो, समुद्र का पानी पीने लायक हो। अंतरिक्ष में हमारा अपना भारतीय स्टेशन हो, जहाँ तिरंगा गर्व से लहराता हो।

यह सपना कोई कविता नहीं, यह विज्ञान का वादा है। बस जरूरत है - नीति की, निवेश की, और सबसे बड़ी बातः विश्वास की। विश्व विज्ञान दिवस कोई केवल त्योहार नहीं है, यह एक पुकार है। पुकार है उस बच्चे की, जो पहली बार दूरबीन से चाँद देखता है और उसकी आँखें विस्मय से चौड़ी हो जाती हैं। पुकार है उस माँ की, जो वैक्सीन लगवाकर अपने बच्चे की सुरक्षा महसूस करती है। पुकार है उस किसान की, जो मौसम की सटीक जानकारी से अपनी फसल बचा लेता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारा सबसे बड़ा दुश्मन अज्ञान है, और सबसे बड़ा साथी विज्ञान। एक किताब उठाइए, एक सवाल पूछिए, एक प्रयोग कीजिए। क्योंकि जिस दिन हम सवाल पूछना बंद कर देंगे, उसी दिन हम इंसान होना भी बंद कर देंगे। विज्ञान कोई मंजिल नहीं, यह एक यात्रा है - और यह यात्रा अभी शुरू ही हुई है। चलिए, साथ चलें, सवालों के साथ, खोज के साथ, और उज्जवल भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए।

प्रो. आरके जैन

अफगानिस्तान-पाकिस्तान संघर्ष के सियासी रंग, भारत अमेरिकी प्रभाव के दूरगामी परिणाम

भारतीय उपमहाद्वीप का यह त्रिकोण भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान एशिया की भू-राजनीति का सबसे संवेदनशील और जटिल क्षेत्र है। यह केवल सीमाओं का नहीं बल्कि सभ्यताओं, संस्कृतियों और विचारधाराओं का संगम है। तीनों देशों के रिश्ते प्राचीन इतिहास से लेकर आधुनिक काल तक निरंतर बदलते रहे हैं। कभी यह सांस्कृतिक सेतु रहा, तो कभी वैचारिक युद्ध का मैदान। और आज, यह क्षेत्र वैश्विक शक्तियों, विशेषकर अमेरिका और ब्रिटेन के प्रभावों से भी गहराई से प्रभावित है। अफगानिस्तान भारत की सांस्कृतिक परिधि का हिस्सा रहा है। गांधार, तक्षशिला, बामियान जैसे नाम इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि भारत की बौद्ध और वैदिक परंपराएं सिंधु से काबुल तक प्रवाहित होती थीं। सम्राट अशोक के शिलालेख आज भी कंधार में मिलते हैं, और कुषाण काल की कला भारतीय सांस्कृतिक प्रभाव की साक्षी है। परंतु समय के साथ जब तुर्क और मुगल आक्रमणों के लिए यही अफगानिस्तान मार्ग बना, तो यह सांस्कृतिक सेतु धीरे-धीरे संघर्ष की भूमि में बदल गया। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन ने इस भूगोल को अपनी सामरिक राजनीति का केंद्र बना लिया। उन्नीसवीं सदी के "ग्रेट गेम" में अफगानिस्तान रूस और ब्रिटेन के बीच बफर स्टेट घोषित हुआ, और 1893 में खींची गई दुर्रान रेखा ने पश्तून समुदाय को दो हिस्सों में बाँट दिया। यह सीमा आज भी अफगान-पाक संबंधों की सबसे बड़ी दरार है। 1947 में भारत के विभाजन ने इस त्रिकोण को निर्णायक रूप से बदल दिया। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को प्रारंभ में मान्यता नहीं दी क्योंकि उसे अपने पश्तून क्षेत्रों की चिंता थी। वहीं भारत ने अफगानिस्तान के साथ अपने ऐतिहासिक सांस्कृतिक संबंधों को बनाए रखा। पर ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा छोड़ी गई विभाजन की रेखाएँ दोनों के बीच अविश्वास के बीज बो गई, जिनका असर आज तक है। इसके बाद शीतयुद्ध के काल में यह त्रिकोण वैश्विक शक्ति-संघर्ष का रणक्षेत्र बन गया। 1979 में सोवियत संघ के अफगानिस्तान प्रवेश के साथ अमेरिका ने पाकिस्तान को "फ्रंटलाइन स्टेट" बनाकर अफगान मुजाहिदीनों को हथियार और प्रशिक्षण दिया। पाकिस्तान की आई.एस.आई. को अमेरिकी डॉलर और सऊदी समर्थन मिला, जिससे आतंकवाद की वह संस्कृति पैदा हुई जिसने पूरे क्षेत्र को झुलसा दिया। भारत, जो सोवियत संघ का घनिष्ठ सहयोगी था, ने उस समय अफगानिस्तान की समाजवादी सरकार का समर्थन किया। इस प्रकार भारत-पाकिस्तान की प्रतिद्वंद्विता को एक नया आयाम मिला, और अफगानिस्तान की धरती शीतयुद्ध की प्रयोगशाला बन गई। 1989 में सोवियत सेनाओं की वापसी और उसके बाद की अस्थिरता ने पाकिस्तान को अल्पकालिक सामरिक लाभ तो दिया, पर दीर्घकाल में वही आग उसकी सीमाओं के भीतर फैल गई। 1990 के दशक में अमेरिका के समर्थन से पनपा तालिबान शासन पाकिस्तान के प्रभाव में तो आया, पर उसने अफगान समाज को मध्ययुगीन अंधकार में धकेल दिया। फिर 2001 में 9/11 के हमलों ने अमेरिका को एक बार फिर अफगानिस्तान खींच लिया। अमेरिका ने तालिबान शासन को समाप्त कर लोकतांत्रिक सरकार स्थापित की, और इस बार भारत को पुनर्निर्माण में सहयोग का अवसर मिला। भारत ने अफगानिस्तान में सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों, और संसद भवन का निर्माण कर वहाँ के जनमानस में विश्वास अर्जित किया। यह भारत की सॉफ्ट पावर का सबसे प्रभावी प्रदर्शन था। परंतु अमेरिकी नीति दोधारी तलवार साबित हुई। वह विकास के बजाय आतंकवाद को समाप्त करने पर केंद्रित रही, और उसकी दृष्टि अफगान समाज की आंतरिक संरचना को समझने में असफल रही। पाकिस्तान ने अमेरिका को सहयोगी बनाकर अरबों डॉलर प्राप्त किए, पर उसी दौरान उसने तालिबान को भी गुप्त समर्थन दिया। यह द्वंद्व 2021 में अमेरिकी वापसी के साथ उजागर हो गया, जब तालिबान पुनः सत्ता में लौट आया। अमेरिका की यह वापसी न केवल अफगानिस्तान के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए अनिश्चितता की वापसी थी। पाकिस्तान को लगा था कि नया तालिबान शासन उसके अनुकूल होगा, पर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के बढ़ते हमलों ने उसकी नीति को उलझन में डाल दिया। अब पाकिस्तान उसी आतंकवाद का शिकार है, जिसे उसने कभी रणनीतिक संपत्ति कहा था। भारत ने इस दौर में अत्यंत संयम और व्यावहारिकता दिखाई। उसने तालिबान शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी, पर मानवीय सहायता जारी रखी। भारत जानता है कि अफगानिस्तान की अस्थिरता का सीधा प्रभाव उसकी सुरक्षा पर पड़ेगा–विशेषतः कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद के रूप में। इस परिस्थिति में भारत का उद्देश्य विकास और स्थायित्व को प्राथमिकता देना है, न कि सत्ता परिवर्तन में हस्तक्षेप करना। दूसरी ओर, अमेरिका अब प्रत्यक्ष उपस्थिति के बजाय 'नियंत्रित अस्थिरता' की नीति अपनाए हुए है ताकि वह चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव को सीमित रख सके। यही कारण है कि अफगानिस्तान आज भी वैश्विक शक्ति-संतुलन का केंद्र बना हुआ है। ब्रिटिश औपनिवेशिक मानसिकता और उसकी छोड़ी हुई राजनीतिक रेखाएँ अब भी इस त्रिकोण की दिशा निर्धारित करती हैं। पाकिस्तान की सैन्य और नौकरशाही संरचना ब्रिटिश शासन की ही उपज है, जिसमें धर्म को राजनीति का औजार बनाया गया। वहीं अफगानिस्तान की आंतरिक अस्थिरता, ब्रिटिश और बाद में अमेरिकी प्रयोगों की देन है। भारत इस त्रिकोण में एकमात्र ऐसा देश है जिसने बिना किसी औपनिवेशिक मानसिकता के, केवल विकास और सांस्कृतिक संवाद की नीति अपनाई। वह न तो पश्चिम की कठपुतली बना, न किसी सामरिक गठबंधन का मोहरा। वर्तमान में जब पाकिस्तान आर्थिक संकट और राजनीतिक अराजकता से जूझ रहा है, अफगानिस्तान तालिबान शासन के कठोर धार्मिक नियंत्रण में है, और अमेरिका इस पूरे क्षेत्र को अपने वैश्विक हितों की दृष्टि से देख रहा है, तब भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह शांति और विकास के माध्यम से इस क्षेत्र में स्थायित्व का संतुलन बनाए। भारत की कूटनीति आज ÷रणनीतिक स्वायत्तता÷ की दिशा में है–न तो शीतयुद्ध की गुटनिरपेक्षता, न ही किसी महाशक्ति की अधीनता। यह त्रिकोणीय रिश्ता इतिहास की दृष्टि से जितना पुराना है, उतना ही जटिल भी। इसमें विश्वास और भय, संस्कृति और सत्ता, विकास और आतंकवाद–सब साथ-साथ चलते हैं। यदि तीनों देश यह समझ लें कि स्थायित्व और समृद्धि का मार्ग पारस्परिक सम्मान और सहयोग से ही निकलेगा, तो दक्षिण एशिया विश्व की नई शांति-भूमि बन सकता है। पर यह तभी संभव है जब पाकिस्तान अपनी "रणनीतिक गहराई" की नीति त्यागे, अफगानिस्तान अपने नागरिकों के लिए स्थिर शासन दे, अमेरिका अपने सामरिक प्रयोगों से पीछे हटे, और भारत अपने नेतृत्व को विकास और संवाद के माध्यम से सार्थक बनाए। तब यह त्रिकोण संघर्ष का नहीं, सहयोग का प्रतीक बनेगा और इतिहास का यह भू-भाग एक बार फिर सभ्यता, करुणा और स्थायित्व की भूमि कहलाएगा।

संजीव ठाकुर

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

आदर्श ग्राम ऐहार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

स्वास्थ शिविर के आयोजक कपिल देव तिवारी (के,डी)

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार में शनिवार को पुराने सरकारी अस्पताल के निकट संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर युवा नेता कपिल देव तिवारी उर्फ के.डी. के प्रयासों से संपन्न हुआ।कपिल देव तिवारी ने कहा कि "लोगों की सेवा करना ही मानव का परम धर्म है। समाज के असहाय और गरीब वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना हमारा कर्तव्य है।" शिविर में महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. वंदना सिंह, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव पांडेय, नेत्र सर्जन डॉ. कंचन मिश्रा, डॉ. आशीष पांडेय और डॉ. अमित राज शर्मा सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने ग्रामीणों की जांच की। डॉक्टरों ने आवश्यक उपचार एवं जांच की सलाह दी।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के कानपुर रोड स्थित सूदनखेड़ा मोहल्ले में एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार, मोहल्ला निवासी विकास बाइक से बृजेंद्र नगर मोहल्ले की ओर जा रहा था। रास्ते में सामने से आ रहे साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोटें आईं। हादसे के वक्त युवक ने हेलमेट नहीं पहना था, जिससे सिर में गंभीर चोट लग गई।

मारपीट और गाली- गलौज के आरोप, पीड़ित महिला ने थाने में लगाई गुहार

मलिहाबाद/माल थाना क्षेत्र माल के ग्राम सैदापुर चक की एक महिला ने ससुरालियों पर मारपीट, गाली-गलौज और घर से भगाने का आरोप लगाते हुए थाना माल में शिकायत की है। पीड़िता अनीता पत्नी अवधेश का कहना है कि उसका पति दिल्ली में मजदूरी करता है, जबकि वह अपने बच्चों के साथ गांव में रहती है। इसी दौरान सास, देवर और देवरानी द्वारा आए दिन उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। पीड़िता ने थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी सास राजरानी, देवरानी गुड़िया और देवर मनोज उसे अक्सर पति की गैर मौजूदगी में गाली-गलौज करते हैं और मारपीट कर घर से निकाल देने की कोशिश करते हैं। पीड़िता का कहना है कि जब उसका पति दिल्ली से घर आता है, तो ससुराल पक्ष के लोग उसे भड़काकर उससे भी मारपीट करवाते हैं। महिला ने बताया कि कुछ दिन पूर्व अपने मायके महिमाखेड़ा गई थी, जहां उसके बच्चे की तबीयत खराब हो गयी। 8 नवंबर की रात जब वह वापस ससुराल आई तो आरोपितों ने फिर से उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं और लात-घूंसों से पीटा। जिसके बाद उसने डायल 112 पर पुलिस सहायता मांगी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए उसे थाने पर सूचना देने के लिए कहा। पीड़िता ने पुलिस से ससुराल पक्ष के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुटी हुई है।

कुशीनगर एक्सप्रेस में यात्री बैग से सामान चोरी

उत्तर प्रदेश के जिला संत कबीर नगर के थाना खलीलाबाद अंतर्गत ग्राम सहसरांवमाफी निवासी बिलाल अहमद शेख पुत्र हमीदुल्लाह ने जीआरपी ललितपुर पुलिस को शिकायत दर्ज करायी है। विगत 7 नव बर को 2.20 बजे वह ट्रेन नं. 22537 कुशनगर एक्सप्रेस के कोच नं. ए-1 की बर्थ सं. 1 व 3 पर खलीलाबाद से मु बई रेलवे स्टेशन तक की यात्रा कर रहा था। बताया कि कानपुर रेलवे स्टेशन निकलने के बाद उसने देखा कि उसके बैग से लगभग 27 हजार रुपये की नकदी, कान का झाला, मोबाइल इत्यादि सामान चोरी हो गया। जीआरपी पुलिस ने यात्री की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 305 (सी) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

झोलाछाप डॉक्टरी पर डीएम की सर्जिकल स्ट्राइक': ऑपरेशन से महिला की मौत के बाद अवैध अस्पताल का 'संचालक' गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में अवैध रूप से संचालित निजी चिकित्सालयों और 'झोलाछाप' चिकित्सकों के गठजोड़ पर सीतापुर के जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने एक ऐतिहासिक और निर्णायक कार्रवाई की है। रेउसा क्षेत्र के लखनऊ सेवा हास्पिटल में उपचार के दौरान 7 नवंबर, 2025 को हुई पंछी नामक महिला की मौत के मामले में डीएम ने न केवल त्वरित जांच कराई, बल्कि खुद को डॉक्टर बताने वाले अस्पताल संचालक के विरुद्ध ढ्ढक्क्ष्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने का आदेश भी दिया है जिले के इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी जिलाधिकारी ने अवैध चिकित्सा और जालसाजी के इस कृत्य पर इतनी कठोर और सीधी कार्रवाई सुनिश्चित की है।

डीएम के आदेश पर 'त्रि-सदस्यीय जांच समिति' का खुलासा

महिला की संदिग्ध मौत का संज्ञान लेते हुए, जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी के साथ मिलकर तत्काल प्रभाव से एक त्रि-सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। इस उच्च-स्तरीय टीम में उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज देशमणि, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. खुर्शीद जैदी, और उप जिलाधिकारी बिसवां श्रीमती शिखा शुक्ला शामिल थे। जांच टीम ने 8 नवंबर को स्थलीय और अभिलेखीय जांच की, जिसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे। जिसके तहत अस्पताल केवल OPD और IPD के लिए पंजीकृत था, लेकिन इसमें ऑपरेशन थिएटर अवैध रूप से चलाया जा रहा था जिसकी अनुमति नहीं थी। यही नही सीसीटीवी फुटेज से साफ हुआ कि ओटी मानक विहीन थी, और पंजीकरण में कोई निश्चेतक या ओटी सहायक भी नियुक्त नहीं था।

"संचालक निकला 'फर्जी डॉक्टर'"

अस्पताल संचालक मो. रजा के पास मेडिकल से संबंधित कोई डिग्री नहीं थी। वही विधायक सेउता ज्ञान तिवारी के सामने मो. रजा ने दावा किया था कि बहराइच के डॉ. अफजल ने ऑपरेशन किया। लेकिन डॉ. अफजल ने लिखित बयान देकर स्पष्ट किया कि उन्होंने न तो ऑपरेशन किया और न ही वे उस समय अस्पताल में मौजूद थे। जांच टीम ने पाया कि मृतका का ऑपरेशन मो. रजा पुत्र नूर मोहम्मद (निवासी बहराइच) द्वारा ही किया गया था, जो पूर्णतया अवैधानिक है।

"डीएम का कड़ा निर्देश के तहत आईपीसी की धारा 304 में हो FIR"

जांच समिति की विस्तृत रिपोर्ट और गहन साक्ष्यों के अध्ययन के बाद, जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने तत्काल प्रभाव से कड़ा निर्देश दिया। "प्रकरण का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने सम्बंधित के विरुद्ध IPC की धारा 304 (बीएनएस धारा 105) सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराते हुए कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।"

"मेहरबानी नहीं, अब 'कठोरता' चलेगी"

यह कार्रवाई जिले के उन तमाम अवैध कुकरमुत्तों की तरह उग रहे अस्पतालों और तथाकथित चिकित्सकों के लिए चेतावनी है, जो चंद पैसों के लालच में आम जनता के स्वास्थ्य और जीवन से खिलवाड़ करते हैं। सीतापुर के स्वास्थ्य विभाग पर अक्सर लगने वाले ढिलाई के आरोपों के बीच, DM डॉ. राजागणपति आर. की यह कार्रवाई 'जीरो टॉलरेंस' नीति को दर्शाती है। यदि इसी तरह की निर्णायक और कठोर कार्रवाई की जाती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब अवैध रूप से चल रहे अस्पताल हमेशा के लिए बंद हो जाएंगे, और किसी भी चिकित्सक या अस्पताल को सील होने के कुछ दिनों बाद फिर से खुलने का दुस्साहस नहीं होगा!!

रविवार को कहां बाधित रहेगी बिजली? किसने दिया आदेश?

सीतापुर तंबौर। आज रविवार, 9 नवम्बर 2025 को लहरपुर क्षेत्र के तंबौर के लोगों को अस्थायी बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। मध्?यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीन 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र तंबौर से जुड़े क्षेत्रों में पेड़ों की डालियों की छंटाई एवं लाइन अनुरक्षण का कार्य किया जाएगा। अवर अभियंता कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह कार्य सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा, जिसके चलते इस अवधि में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं जैसे जल संचय, चार्जिंग आदि की पूर्व तैयारी कर लें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कार्य विद्युत लाइनों की सुरक्षा एवं सुचारु आपूर्ति के लिए आवश्यक है। इस दौरान होने वाली असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया गया है।

नोटः सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे अपने बिजली बिल समय से जमा करें ताकि सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रह सकें। "होने वाली असुविधा के लिए खेद है"- अवर अभियंता, मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, लहरपुर।

डीएनए की संरचना के खोजकर्ता जेम्स वॉटसन का निधन

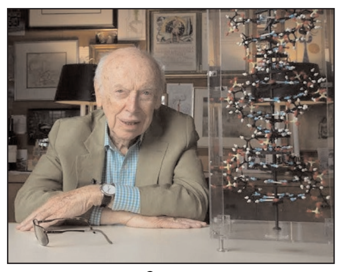

● 97 वर्ष की आयु में 6 नवंबर को ली अंतिम सांस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

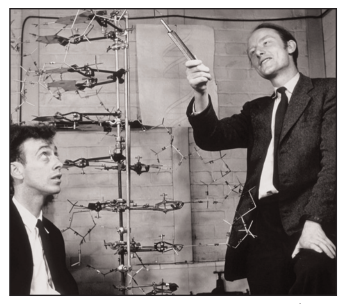

वॉशिंगटन। विज्ञान जगत के लिए एक गहरा आघात देने वाली खबर सामने आई है। डीएनए की संरचना (Structure of DNA) की खोज करने वाले अमेरिकी वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता जेम्स वॉटसन का 6 नवंबर 2025 को निधन हो गया। वे 97 वर्ष के थे। जेम्स वॉटसन ने ब्रिटिश वैज्ञानिक फ्रांसिस क्रिक के साथ वर्ष 1953 में मिलकर डीएनए की डबल हेलिक्स (Double Heli&) संरचना की पहचान की थी। यह खोज 20वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धियों में से एक मानी जाती है। इसने यह स्पष्ट किया कि डीएनए ही वह आनुवंशिक पदार्थ है जो जीवों में वंशानुगत जानकारी को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाता है।

वॉटसन और क्रिक को इस अद्वितीय खोज के लिए वर्ष 1962 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस खोज में वैज्ञानिक रोज़ालिंड फ्रैंकलिन के एक्स-रे डिफ्रैक्शन कार्य का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसने डीएनए की आकृति को समझने में अहम भूमिका निभाई। वॉटसन ने अपने लंबे वैज्ञानिक जीवन में आनुवंशिकी, बायोटेक्नोलॉजी और चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। उनके निधन से विज्ञान समुदाय में शोक की लहर है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों ने उन्हें उस प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में याद किया है, जिसने जीवन के रहस्यों को सुलझाने की दिशा में मानवता को नई रोशनी दी।

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज लखनऊ में रोटरैक्ट क्लब स्थापना के माध्यम से भावी वर्कफोर्स विकसित करने हेतु समारोह का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में 8 नवम्बर 2025 को रोटरी क्लब स्थापना समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन नेतृत्व, सेवा और सामुदायिक सहभागिता की भावना का उत्सव था, जिसमें विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित रोटेरियनस, गणेश अग्रवाल, अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ, विभोर अग्रवाल, सचिव रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ, के0के0 श्रीवास्तव, पी0डी0जी0-रोटरी क्लब ऑफ बाराबंकी, पी0डी0जी0 सी0पी0 अग्रवाल, रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ, रोटेरियन श्री अशोक टंडन, रोटेरियन नरेश अग्रवाल, एवं क्षेत्रीय सचिव रोटेरियन भारती गुप्ता उपस्थित रहे। इन सभी गणमान्य अतिथियों के मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी संबोधन ने कार्यक्रम को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को विधिवत रूप से बैज व प्रमाणपत्र प्रदान कर शपथ दिलाई गई कि वे क्लब की सफलता हेतु निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। बी0टेक0 तृतीय वर्ष के छात्र श्री पीयूष गिरी को क्लब अध्यक्ष घोषित किया गया, जबकि बी0टेक0 द्वितीय वर्ष के छात्र ओम राय ने सचिव पद का दायित्व संभाला। इनके साथ 36 अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य भी रोटरैक्ट क्लब एसएमएस लखनऊ के आदर्शों और उद्देश्यों के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले प्रमुख उपस्थितगणों में प्रो0 (डॉ0) आशीष भटनागर, निदेशक, एसएमएस लखनऊ, प्रो0 (डॉ0) बी0आर0 सिंह, निदेशक जनरल (टेक0), प्रो0 (डॉ0) धर्मेन्द्र सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर, प्रो0 (डॉ0) पी0के0 सिंह, डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) तथा डॉ0 पुष्पांजलि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर एवं कार्यक्रम समन्वयक सहित अनेक संकाय सदस्य और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसएमएस लखनऊ शरद सिंह जी ने कहा कि ÷हम सदैव ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करने में विश्वास रखते हैं जो न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करें, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी समझें। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी विशिष्ट अतिथियों, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के सहयोग व सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया गया। रोटरी इंटरनेशनल एक वैश्विक मानवतावादी संगठन है जिसकी स्थापना 1905 में अमेरिका के शिकागो शहर में पॉल पी0 हैरिस द्वारा की गई थी। यह दुनिया के सबसे पुराने और बड़े सेवा संगठनों में से एक है, जो व्यापार और पेशेवर नेताओं को एकजुट करता है ताकि वे सामुदायिक सेवा प्रदान कर सकें, ईमानदारी को बढ़ावा दें, और विश्वभर में सद्भाव, शांति एवं आपसी समझ को प्रोत्साहित करें।

रामलला के दर्शन को 210 रामभक्त अयोध्या रवाना

● विश्वनाथ महाविद्यालय में सामाजिक सद्भाव बैठक का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सण्डीला (हरदोई)। ग्राम पंचायत छतिहा से रविवार को भाजपा नेता अजय कुमार सिंह 'आदित्य' के अथक प्रयासों से तीसवो चरण में 210 राम भक्तों का जत्था तीन बसों द्वारा अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। अजय सिंह 'आदित्य' ने छतिहा से हरे झंडे दिखाकर बसों को रवाना किया, इस दौरान जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। राम भूखान, संजय सिंह, रामू सिंह, नीरज सिंह, अनूप सिंह, राम सहारे सिंह, सुबोध सिंह,विजय तिवारी,अजय गुप्ता,ज्ञानेंद्र सिंह, संतोष पाल रहे।

इसके पूर्व भरावन के नेवादा स्थित विश्वनाथ महाविद्यालय में आयोजित सामाजिक सद्भावना बैठक में सभी स्वयंसेवकों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अजय सिंह 'आदित्य' ने लोगों से स्वदेशी वस्तुएँ खरीदने व अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। बैठक में प्रमोद सिंह, विनोद सिंह तोमर, प्रदीप मिश्रा, तीर्थराज, योगेश त्रिपाठी, तीर्थ राज, संडीला, डाक्टर बृजमोहन दुर्गेश , प्रदीप, प्रमोद सिंह, अजय, बलराम, रामचंद्र शुक्ल बाबू नेवादा, विनोद सिंह तोमर, महेश दत्त मिश्रा विभव, शिवम्, इंद्रपाल, संतोष पाल सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

न्याय पंचायत स्तरीय सांसद खेल महोत्सव में बच्चों ने दिखाया खेल प्रतिभा का जलवा

लालगंज रायबरेली। क्षेत्र के ग्राम पंचायत ऐहार में न्याय पंचायत स्तरीय सांसद खेल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी ने खिलाड़ियों को उपहार देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। बालिका वर्ग मेंअर्चना ने प्रथम स्थान, प्रिया ने द्वितीय स्थान, आंचल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग में रोमियो प्रथम, विशाल द्वितीय, लव कुश रावत तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी संतोष कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी, सचिव सुनील कुमार, जेई प्रेमचंद गुप्ता, आराधना साहू, विकल्प पांडे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने मतदाता पंजीकरण केंद्र का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

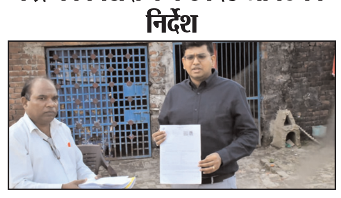

सिद्धार्थनगर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ के बर्डपुर न0-07 के बूथ संख्या-42 के मतदाता पंजीकरण केन्द्र का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा बीएलओ द्वारा भरे गये गणना फार्म को देखा गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र की दो प्रतियों मतदाताओं को उपलब्ध कराए और फॉर्म भरने में मार्गदर्शन भी करेंगे। बीएलओ मतदाताओं द्वारा भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्रित करेंगे तथा पावती देंगे। मतदाता, गणना प्रपत्र की दोनों प्रतियों को भरें व हस्ताक्षर करें। मतदाता, गणना प्रपत्र में अपना नवीनतम फोटो लगाएं। मतदाता, फॉर्म बीएलओ को वापस दें और प्राप्ति रसीद ज़रूर लें। गणना फार्म को ऑनलाइन कराये।

तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन वार्षिक खेलों में बालिकाओ का रहा दबदबा

● कौशलेंद्र पांडेय बने ओवरऑल चैंपियन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराजगंज/ रायबरेली। आज दिन शनिवार को न्यू स्टैंडर्ड कॉलेज ऑफ़ हायर एजुकेशन सलेथू, महराजगंज, रायबरेली के प्रांगण में बी.ए., बी.एस.सी., बी एड, डी एल एड के विद्यार्थियों की तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन उपरांत पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार, डी एल एड प्राचार्य धीरेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के कोऑर्डिनेटर डॉ.अरूण चौधरी आदि प्राध्यापकों ने मां सरस्वती पूजन के पश्चात विभिन्न संवर्गों में आयोजित की गई बालक बालिका वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र ,मेडल, व शील्ड प्रदान किया। महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्रों के द्वारा मेडल पहनते समय खिलाड़ियों का उत्साह वर्धन तालियों के द्वारा किया गया। बालक बालिका के समूह खेलों में विजेता टीम को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। देवेंद्र वाजपेई ने स्वतंत्र निर्णायक की भूमिका का निर्माण किया। कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि जनवरी माह में 10 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा तथा आगामी सत्र में अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कराने का प्रस्ताव नोडल को भेजा जाएगा। इस अवसर पर खेल समिति सदस्य अनीता मौर्या, सौरभ कुमार, डॉ.गुलाम सब्बानी के साथ ही डॉ. रश्मि श्रीवास्तव, अनुभव त्रिपाठी, प्रमोद कुमार, विजय कुमार मौजूद रहे।

नहीं रहे युवाओं के प्रेरणा स्रोत प्रिंसू पांडेय क्षेत्र में शोक की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली: कस्बे के रहने वाले एवं वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय सुभाष पांडे के भतीजे उज्जवल पांडे उर्फ प्रिंसू लंबी बीमारी के चलते आज रविवार को दिन में 12:00 बजे लखनऊ के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान निधन हो गया उज्जवल पांडेय 42 वर्ष के थे। जिसकी सूचना मिलते ही कस्बा समेत संपूर्ण क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और उनके कस्बे के बछरावां रोड स्थित निवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लग गया। आपको बता दें कि, उज्जवल पांडे उर्फ प्रिंसू पांडे (42) व्यक्तित्व के धनी और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे और कस्बे के युवाओं के प्रेरणा स्रोत थे क्षेत्र के युवा उन्हें "प्रिंशू दादा" के नाम से पुकारते थे। प्रिंशू पांडे अपने पीछे अपनी बूढ़ी मां पत्नी पूजा तथा 10 वर्षीय बेटा व 2 वर्षीय बेटी छोड़ गए हैं जिनका रो-रो कर बुरा हाल है।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप में पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक राजाराम त्यागी, सपा विधायक श्याम सुंदर भारती, पूर्व विधायक राम लाल अकेला, चेयरमैन प्रतिनिधि व भाजपा नेता प्रभात साहू, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र प्रताप सिंह, कस्बे के व्यवसायी एवं सपा नेता सुधीर साहू, दिनेश कुमार उर्फ भल्लू ठेकेदार, बाला प्रसाद मौर्य, शिवम तिवारी, सुमित चौरसिया, त्रिलोचन मौर्य, बाबू चंद्र यादव उर्फ लखनऊवा, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सच्चिदानंद त्रिपाठी, प्रमुख प्रतिनिधि प्रदीप चौधरी, प्रधान असनी दीपू चौधरी, पूर्व प्रधान अरविंद सिंह, पूर्व प्रधान पुत्तन सिंह, सुरेश शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रविराज सिंह, डॉ माताफेर सिंह, डॉ एमडी पासी, देवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ नीलू, पूर्व सभासद विजय धोनी, सभासद नूरुल हसन, सभासद धर्मेंद्र वर्मा, हीरा पासी सतीश कुशमेश, नगर पंचायत के लिपिक रामचंद्र त्यागी, जमुना प्रसाद, ज्योना प्रधान उमेश कुमार उर्फ कुन्नू,मनोज मिश्रा, नवोदय विद्यालय के पूर्व उप प्रधानाचार्य

जीपी मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, पूर्व मंडल अध्यक्ष सूर्य प्रकाश वर्मा, भाजपा नेता पवन साहू, अनुराग अग्रहरि, सरदार फत्ते सिंह व्यापारी नेता अश्वनी सिंह उर्फ पिंटू, भाजपा नेता विद्यासागर अवस्थी, ज्योति प्रकाश अवस्थी एडवोकेट, शिवसागर अवस्थी एडवोकेट, पंकज प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेट, सुरेंद्र श्रीवास्तव एडवोकेट, सहित महराजगंज के सभी संगठनों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पारिवारिक जनों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करी।

चोरों के हौसले बुलंद 5 लाख के ज़ेवरात सहित नगदी पर किया हाथ साफ़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सदरपुर थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। बीती रात धरमपुर गांव में एक मकान को निशाना बनाकर चोरों ने नगदी और जेवरात समेत लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया इस घटना ने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, धरमपुर गांव निवासी मोहम्मद रईस पुत्र मोहम्मद यार खां रविवार की रात अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे इसी दौरान अंधेरे का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए। चोरों ने कमरे का दरवाज़ा खोलकर अंदर रखी अलमारी और बक्शे का ताला तोड़ दिया उनमें रखे तैंतीस हजार रुपये नकद और लगभग पांच लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। सुबह जब परिवार के लोग जागे तो कमरे के खुले दरवाजे और बिखरे पड़े सामान को देखकर उन्हें चोरी की जानकारी हुई शोर मचाने पर पड़ोसी एकत्र हो गए और घटना की सूचना सदरपुर थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पीड़ित मोहम्मद रईस ने बताया कि चोर बड़ी सफाई से घर में दाखिल हुए और बिना किसी को महसूस कराए ही वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों के बावजूद पुलिस गश्त में ढिलाई बरती जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया है उन्होंने कहा कि जल्द ही चोरी का खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा फिलहाल पुलिस आस-पास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश में जुटी है!

भाकियू लोकतांत्रिक के बैनर तले जारी है अनिश्चितकालीन धरना

● मलिहाबाद तहसील प्रशासन पर किसानों को धमकाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। भाकियू लोकतांत्रिक संगठन के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सैदापुर चक में पिछले 65 दिनों से जारी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के बीच किसानों का आंदोलन अब और तेज होने जा रहा है। संगठन ने 10 नवंबर 2025 को जिला अधिकारी कार्यालय लखनऊ पर होने वाला धरना प्रदर्शन फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। संगठन ने घोषणा की है कि 18 नवंबर को सैदापुर चक से किसान मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच करेंगे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधे मिलकर समस्या रखी जाएगी। इस बीच 08 नवंबर को मलिहाबाद तहसील प्रशासन भारी पुलिस बल के साथ बिना पूर्व सूचना के धरना स्थल पर पहुंचा। किसानों का आरोप है कि प्रशासन नाप (मापन) के नाम पर दबाव बनाकर धरना खत्म कराने और ग्रामीणों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा था।

भाकियू लोकतांत्रिक के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार को तहसीलदार द्वारा फोन पर नाप कराने की जानकारी दी गई, जिस पर उन्होंने कहा कि सूचना पहले दी जाती तो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश सिंह चौहान को इस प्रकरण को स्वयं देखने के लिए अवगत कराया जा सकता था।

किसानों का कहना है कि प्रशासन द्वारा की जाने वाली यह नाप पहले की जा चुकी दो अलग-अलग नापों से बिल्कुल भिन्न बताई जा रही है। ग्रामीणों और किसानों ने संगठन पदाधिकारियों की उपस्थिति में सरहद से नाप कराने की मांग रखी, जिस पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग और दबाव डाले जाने के आरोप लगाए गये हैं।

किसानों की प्रमुख मांग है कि खसरा संख्या 417 की जमीन की स्थिति स्पष्ट की जाए। पहले लेखपाल और वर्तमान लेखपाल की नाप में अंतर क्यों आ रहा है, इसकी जांच हो और दोषी लेखपालों पर कार्रवाई की जाए।

यदि यह ग्राम पंचायत की भूमि नहीं थी, तो किसान दिनेश रावत पर धारा 267 की कार्यवाही क्यों की गई। नाप ग्रामीणों एवं संगठन पदाधिकारियों की मौजूदगी में ही कराई जाए। किसानों का कहना है कि खसरा संख्या 417 पर ग्रामीण वर्षों से शौचालय, मड़ैया तथा पशुओं के बाड़े बनाए हुए हैं, जिसके पूर्वी दिशा में शत्रु संपत्ति बताई जाती है।

संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह विवाद केवल सैदापुर चक तक सीमित नहीं है, बल्कि नबीपनाह सहित कम से कम तीन अन्य गांवों में भी इसी तरह की नाप-जोख विवाद की शिकायतें सामने आ रही हैं। संगठन ने कहा है कि सैदापुर चक के किसानों को हर हाल में न्याय दिलाया जाएगा। चाहे आंदोलन को किसी भी स्तर तक क्यों न ले जाना पड़े।

संक्षिप्त खबरें

ए टी एम बदल कर फ्राड करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बीकेटी लखनऊ। ए टी एम कार्ड बदल कर रुपए निकालने वाले अभियुक्त को लखनऊ की बीकेटी पुलिस ने गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। बीकेटी थाना अंतर्गत के नगुवामऊ कला के रहने वाले पप्पू ने 3 नवंबर को अपने बेटे को सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का ए टी एम कार्ड देकर रुपए निकालने के लिए axis बैंक के ए टी एम पर भेजा था वहां पहले से मौजूद दो युवकों ने बातों में उलझा कर लड़के का ए टी एम बदल दिया । पीड़ित के फोन पर 42000 रुपए नकद,19000 पेट्रोल पंप का बिल और 40000 रूपये कपड़े की शॉपिंग का मैसेज आया तब पीड़ित को समझ आया कि उसके साथ फ्राड हो गया है जिसकी एफ आई आर बीकेटी थाने पर दर्ज कराई। बीकेटी थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने उप. निरीक्षक शेष मणि मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित कर जांच सौंपी। पुलिस की टीम ने ए टी एम बदल कर फ्राड करने वाले एक सदस्य सुरेन्द्र कुमार सरोज पुत्र शिव लाल सरोज निवासी उर्इ पुर बासी देवास थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़ को मुखबिर की सूचना पर अस्ति रोड किसान पथ के पास से गिरफ्तार किया वही उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के पास से 19 ए टी एम कार्ड,1 पैन कार्ड आधार कार्ड, कई पास बुक, खरीदे गए कपड़े, एक वैगनआर कार सहित अन्य सामग्री बरामत की।

मिशन शक्ति अभियान के तहत एंटी रोमियो टीम ने किया बहू-बेटी सम्मेलन

मनकापुर (गोंडा)। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के निर्देशन में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर चल रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना खोड़ारे की एंटी रोमियो टीम ने शनिवार को जोगेंद्र लाल डीह, केशव नगर ग्रांट गांव में चौपाल लगाकर बहू-बेटी सम्मेलन आयोजित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व एंटी रोमियो प्रभारी उपनिरीक्षक ज्ञानेंद्र शुक्ला ने किया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबरों- 112, 1090, 1076, 108, 1930, 1098, और 102- की सहायता लें। सम्मेलन में महिलाओं से घरेलू हिंसा, छेड़छाड़ या किसी भी प्रकार की सामाजिक समस्या पर खुलकर बात करने का आह्वान किया गया। साथ ही, बालिकाओं से ऐसे स्थानों की जानकारी मांगी गई जहाँ एंटी रोमियो स्क्वाड की सक्रियता की जरूरत महसूस होती है। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत आत्मनिर्भर और सशक्त समाज में समान अधिकार प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने कानून संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान के लिए निरंतर प्रयासरत है।इस अवसर पर का. गौरव मिश्रा और मा.का. वंदना अग्निहोत्री सहित एंटी रोमियो स्क्वाड के सदस्य मौजूद रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के दीक्षांत समारोह में आएगी राज्यपाल

डीएम -एसपी ने निरीक्षण कर सुरक्षा व्यस्था का लिया जायजा

सिद्धार्थनगर। 10 एवं 11 नवम्बर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु में भ्रमण के दृष्टिगत जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य विभिन्न बिन्दुओं पर गहनता एवं सूक्ष्मता से निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने यातायात व्यवस्था व पार्किंग व्यवस्था आदि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने अन्य समस्त बिन्दुओं पर तैयारी पूर्ण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन द्वारा हेलीपैड का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था को देखा गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानप्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार, व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

पाकिस्तान में 'संविधान बचाओ' आंदोलन, 27 वें संशोधन पर सरकार-विपक्ष आमने-सामने

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

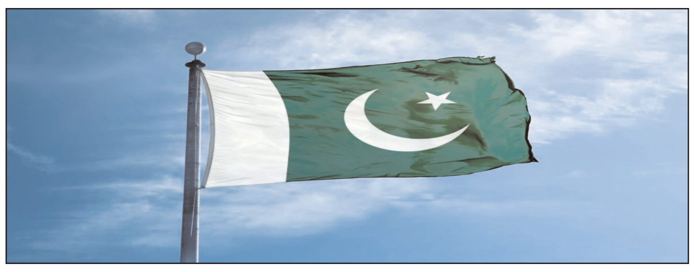

पाकिस्तान की संसद में प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन विधेयक को लेकर राजनीतिक घमासान मच गया है। जहां सरकार इसे पारित करने की तैयारी में है, वहीं विपक्षी गठबंधन ने इस कदम की कड़ी आलोचना करते हुए इसे 'संविधान की नींव हिलाने' वाला बताया है और इसके खिलाफ रविवार से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है।

संशोधन में प्रमुख प्रस्ताव

प्रस्तावित 27वें संविधान संशोधन का उद्देश्य संविधान के कई प्रमुख हिस्सों को बदलना है, जिसमें सैन्य नेतृत्व से जुड़ा बदलाव सबसे अहम है, जिसके तहत अनुच्छेद 243 में संशोधन करके 'चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी% (CJCSC) के पद को समाप्त कर उसकी जगह 1चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' नामक नया पद शुरू करने का प्रस्ताव है।

इसके अलावा, संशोधन में न्यायपालिका में बड़े बदलाव प्रस्तावित हैं, जैसे एक संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना करना और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन करना, साथ ही, उच्चतम न्यायालय की शक्तियों को कम करते हुए कुछ प्राधिकारों को प्रस्तावित संवैधानिक न्यायालय में स्थानांतरित करने का भी प्रस्ताव है। इन सबके अतिरिक्त, एक विवादास्पद प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति को आजीवन आपराधिक कार्यवाही से मुक्ति प्रदान करने का प्रावधान भी शामिल है।

संसदीय प्रक्रिया और सरकार की उम्मीद

इस संबंध में संसदीय प्रक्रिया चल रही है, जहां कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने शनिवार को ऊपरी सदन सीनेट में संशोधन विधेयक पेश किया है, जिसे सभापति यूसुफ रजा गिलानी ने आगे की चर्चा के लिए सदन की समिति के पास भेज दिया है। सरकार को उम्मीद है कि सोमवार को होने वाले मतदान में उसे कम से कम 64 सीनेटर का दो-तिहाई बहुमत मिल जाएगा, सीनेट से पारित होने के बाद, इसे नेशनल असेंबली में दो-तिहाई बहुमत से पास कराना होगा और अंत में इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी अनिवार्य होगी।

विपक्ष का 'संविधान बचाओ' आंदोलन

प्रस्तावित 27 वें संविधान संशोधन के विरोध में, बहुदलीय विपक्षी गठबंधन तहरीक-ए-तहाफुज आईन-ए-पाकिस्तान (TTAP) ने देशव्यापी विरोध आंदोलन की घोषणा की है। इस गठबंधन में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के साथ-साथ मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (MWM), पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (PKMAP), बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (BNP-M) और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (SIC) जैसी पार्टियाँ शामिल हैं। इस विरोध के दौरान, MWM के प्रमुख अल्लामा राजा नासिर अब्बास ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक संस्थाएं पंगु हो गई हैं... राष्ट्र को (प्रस्तावित) 27 वें संशोधन के खिलाफ कदम उठाना चाहिए।

कहां पकड़े गए तीन आतंकी?,कौन सी रच रहे थे साजिश?

● ISIS से जुड़े तीन आतंकी गिरफ्तार, हथियारों के साथ पकड़े गए

एक साल से एजेंसियों की रडार पर थे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अहमदाबाद। गुजरात में आतंकवाद निरोधक दस्ते (ATS) को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। टीम ने अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन ISIS से जुड़े तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार, संदिग्ध दस्तावेज़ और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए तीनों आतंकी पिछले एक वर्ष से खुफिया एजेंसियों की रडार पर थे। इनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही थी। बताया जा रहा है कि ये आतंकी गुजरात में किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में थे।

ATS अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के तार विदेशों में बैठे ISIS नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। उनके मोबाइल, लैपटॉप और सोशल मीडिया अकाउंट से कई आपत्तिजनक व आतंक से संबंधित चैट और सामग्री मिली है।

एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि इनका संपर्क देश के किन-किन हिस्सों में फैले नेटवर्क से था और क्या इनसे जुड़े अन्य लोग भी गुजरात या पड़ोसी राज्यों में सक्रिय हैं। गुजरात पुलिस ने तीनों आरोपियों से लंबी पूछताछ शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस गिरफ्तारी से देशव्यापी आतंकी नेटवर्क का बड़ा खुलासा हो सकता है।

मुख्य बिंदु:

» गुजरात ATS ने ISIS से जुड़े 3 आतंकियों को गिरफ्तार किया।

» हथियार, दस्तावेज़ और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बरामद।

» एक साल से एजेंसियों की निगरानी में थे तीनों।

» विदेशी कनेक्शन और स्थानीय नेटवर्क की जांच जारी।

जैतपुर विधानसभा में अभिषेक वर्मा बने युवक कांग्रेस अध्यक्ष, शहडोल में युवाओं में उत्साह का माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्योहारी (शहडोल)- कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं के अंदर जोश और उत्साह भरने के लिए युवक कांग्रेस प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर एवं विधानसभा स्तर के चुनाव ऑनलाइन आधार पर सदस्यता अभियान के तहत किया गया है जिसमें प्रदेश युवक कांग्रेस के चुनाव परिणाम की घोषणा गत दिनो घोषित जिसको लेकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है इस चुनाव में शहडोल जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष पर अनुपम गौतम ने अच्छी जीत हासिल कर काबिज हुए जबकि जैतपुर विधानसभा के अध्यक्ष पद पर अभिषेक वर्मा ने 1480 वोटो से भारी जीत हासिल कर सभी को पीछे छोड़ दिया। हमारे जानकारी के अनुसार शहडोल जिले में विधानसभा में सर्वाधिक जीत हासिल करने वाले अभिषेक वर्मा ही है।इस जीत से युवाओं में काफी उत्साह और नई जोश दिखाई पड़ी रही है। युवक कांग्रेस के जागरूकता अभियान के तहत 18 अप्रैल 2025 को चुनाव की घोषणा के साथ ही सदस्यता ऑनलाइन अभियान के तहत संपन्न हुआ और इस तरह से युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष एवं विधानसभाओं के परिणाम घोषित हुए जिसमें जैतपुर विधानसभा से नए चेहरे को मौका बुढार अभिषेक यादव जैतपुर अभिषेक कुमार मिश्रा केशवाही दीपक कुमार मिश्रा खैरहा सचिन द्विवेदी अप ऑनलाइन आधारित चुनावी प्रक्रिया से युवाओं ने जागरूकता दिखाई जिसका परिणाम अभिषेक वर्मा अध्यक्ष युवा कांग्रेस जैतपुर विधानसभा निर्वाचित हुए। सभी निर्वाचित युवा कांग्रेस के अध्यक्षों को कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाओं के साथ मिठाई एवं मालाओं का हर पहनकर स्वागत किए हुए।

नवनिर्मित रामकृष्णनगर की राजनीति में नया मोड़, बाहरी नहीं, स्थानीय उम्मीदवार को नामांकन देने की मांग में पाटनी समाज के लोगों ने आवाज उठाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के नवगठित रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में नई हवा बहने लगी है। तीन दशकों के लंबे अंतराल के बाद शासक दल के प्रत्याशित्व की मांग पर राताबाड़ी और रामकृष्णनगर के बड़े पाटनी समाज ने अपनी सक्रियता दिखाई है। आने वाले 2026 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए गत 9 नवंबर (शनिवार) को पश्चिम बरुआला गाँव के शिव मंदिर परिसर में पाटनी परिषद के आयोजन में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस दिन की बैठक में नवगठित क्षेत्र के विभिन्न कोनों से आए पाटनी परिषद के प्रतिनिधियों ने एक साथ होकर स्पष्ट संदेश दिया—अनुसूचित जाति आरक्षित सीटों पर पाटनी समाज की भूमिका हमेशा निर्णायक रही है, लेकिन लंबे समय तक उन्हें उनके योग्य सम्मान से वंचित किया गया है। बैठक में उपस्थित परिषद के सलाहकार सुनील दास, कार्यकारी अध्यक्ष शशांक शेखर दास, महासचिव अपूर्व दास सहित श्यामल दास, मंटू दास, परिमल दास, वनज्योति दास और गौरीशंकर दास जैसे नेताओं ने मिलकर आरोप लगाया—पिछले तीन दशकों में शासक और विपक्षी दोनों दलों ने पाटनी समाज का इस्तेमाल केवल वोट बैंक के रूप में किया, लेकिन कभी प्रत्याशित्व के मामले में उचित सम्मान नहीं दिया। उनके वक्तव्य में यह उल्लेख किया गया कि दिवंगत लीलामोय दास, सुबल चंद्र दास सहित कई पाटनी नेता पहले बराक घाटी का प्रतिनिधित्व सम्मानपूर्वक कर चुके हैं। तो आज पाटनी समाज का एक शिक्षित और योग्य स्थानीय व्यक्ति उम्मीदवार क्यों नहीं हो सकता—यह सवाल उन्होंने उठाया। सभा के बाद परिषद की ओर से कहा गया, ÷राताबाड़ी में शिक्षित, ईमानदार और जनसंपर्क में सक्षम पाटनी समाज के कई योग्य लोग हैं। इसलिए 2026 के विधानसभा चुनाव में हम बाहरी नहीं, बल्कि स्थानीय उम्मीदवार चाहते हैं÷ इस मांग को लेकर पाटनी समाज ने राज्य के मुख्यमंत्री और केंद्रीय नेतृत्व से जोरदार अपील की है—रामकृष्णनगर सीट पर इस बार स्थानीय पाटनी समाज के योग्य प्रतिनिधि को नामांकित किया जाए। उन्होंने कहा कि हम अब केवल वोट नहीं देंगे, इस बार अपने प्रतिनिधि को विधानसभा में देखेंगे÷—ऐसी दृढ़ संकल्प की भावना से यह पाटनी समाज की एकजुट सभा में गूंज उठी।

गोदाम में लगी आग लाखों का सामान जलकर खाक दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर के शहर कोतवाली क्षेत्र के मिर्दही टोला मोहल्ले में रविवार की दोपहर एक दो मंजिला मकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि यह मकान स्व डॉ. अनीस का है जो काफी पुराना होने के कारण अब गोदाम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था मकान के भीतर बड़ी मात्रा में कंबल और कपड़े रखे हुए थे अचानक गोदाम के अंदर से धुआं और लपटें उठने लगीं, जिससे आस-पास के लोगों में भगदड़ मच गई स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग की लपटें इतनी तेज थीं कि गोदाम में रखे कपड़े और कंबल पूरी तरह जलकर राख हो गए आग की चपेट में आने से घर के ऊपरी हिस्से में रखा घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हुआ घटना के समय मकान के ऊपरी हिस्से में कुछ गैस सिलेंडर भी रखे हुए थे जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई थी समय रहते फायर कर्मियों ने सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर हटाकर बड़ा हादसा होने से टाल दिया मोहल्ले में घनी आबादी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और आग बुझाने में दमकल कर्मियों की मदद की। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है पुलिस ने पूरे घटनास्थल का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है लेकिन आग से लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है!!

एक राय होकर धारदार हथियारों से हमला करने का आरोप

ललितपुर। महरौनी के ग्राम सैदपुर निवासी रानी पत्नी देवेन्द्र परिहार ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि शनिवार को अपराह्न 3 बजे अपने घर के बाहर उपला बनाने के लिए जमीन साफ करके अपने घर गयी, तभी परिवार के रूप सिंह, बृगभान, पिन्टू व जगभान पुत्रगण हरियां, हरियां पुत्र जूजे परिहार एक राय होकर आये और मारपीट कर दी। बचाने आये बंदू पुत्र जूजे व देवेन्द्र पुत्र बंदू परिहार के साथ धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 191 (2), 191 (3), 333, 115 (2), 352, 351 (3) व 118 (1) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

नियमित व्यायाम और संतुलित आहार से हम अपने शरीर को निरोगी रख सकते हैं:- डॉ0 सुधीर चौधरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर नियमित व्यायाम और संतुलित आहार तथा विशेष रूप से साफ सफाई से हम अपने शरीर को निरोगी रख सकते हैं उक्त विचार डॉक्टर सुधीर चौधरी ने जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन आफ इंडिया तथा श्री पीताम्बरा शिक्षा समिति एवं केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम बेनी सराय में आयोजित स्वास्थ्य शिक्षा कार्यशाला में ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किया उन्होंने बताया अगर हम बीमार होने से पहले ही कुछ सावधानियां बरतते तो हमें दवाइयां लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद हसीन अंसारी ने बताया आज इस भौतिक युग में चाइनीस फूड खान पान और असंतुलित भोजन हमें तमाम बीमारियों का निमंत्रण दे रहा है। जिससे हमारा शरीर तमाम बीमारियों से ग्रसित हो जाता है इसका निदान पूर्व में किया गया बचाव और सावधानी ही है कार्यक्रम को केपी सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल के जनरल मैनेजर अंशुमान सिंह ने संबोधित करते हुए बताया हमें किसी भी दवा का सेवन बगैर डॉक्टर के परामर्श के बिना नहीं लेना चाहिए और प्रशिक्षित डॉक्टर कि सलाह और जांच कर के ही दवाओ का सेवन करना चाहिए जिससे हम निरोगी रह सकेंगे कार्यक्रम का संचालन ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने किया आए हुए सभी अतिथियों का नीलू वर्मा के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 517 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिनमें 413 लोगों को जांच कर मेडिसिन दी गई कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य ओम प्रकाश वर्मा डॉ मधुलिका राय डॉ सुमित सिंह समेत मेडिकल फैकल्टी तथा नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा।

परिवार परामर्श केंद्र बलरामपुर में 04 पारिवारिक विवादों का सफल निस्तारण

बलरामपुर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विकास कुमार* के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विशाल पाण्डेय के पर्यवेक्षण में, मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पारिवारिक विवाद संबंधी पत्रावलियों पर बैठक आयोजित की गई।परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में विचाराधीन प्रस्तुत मामलों में सक्रिय मध्यस्थता से *पति-पत्नी एवं परिजनों के मध्य आपसी सुलह एवं समझौता कराकर 04 पारिवारिक विवादों का हुआ सफल निस्तारण किया गया। दोनों पक्षों ने आपसी मतभेद समाप्त करते हुए यह सहमति व्यक्त की कि अब वे सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रेमपूर्वक एक साथ जीवन यापन करेंगे। परामर्शदाताओं द्वारा दोनों पक्षों को यह सलाह दी गई कि वे अपने बड़ों का सम्मान करें एवं जीवन की नई शुरुआत परस्पर समझ और सहयोग से करें। पारिवारिक विवाद निस्तारण में परामर्शदाता अरुण कुमार यादव, देवतादीन दूबे महिला थाना प्रभारी पूनम यादव तथा महिला कां. ज्योति,महिला कां. पूजा,महिला कां. मनीषा वर्मा का विशेष योगदान रहा।

1. राधा बनाम सूरज राम - थाना को0 नगर, बलरामपुर

3. विनीता देवी बनाम हीरालाल - थाना श्रीदत्तगंज, बलरामपुर

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर महिला आरक्षी और बेटा चोटिल ड्यूटी जाते समय हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के रामकोट थाना इलाके में ड्यूटी ज्वाइन करने जा रही एक महिला आरक्षी रविवार सुबह सड़क हादसे का शिकार हो गई हादसे में महिला आरक्षी और उसका चार साल का बेटा घायल हो गए दोनों को आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है यह हादसा क्षेत्र के एनएच-30 पर कटीली गांव के पास हुआ जानकारी के अनुसार महिला आरक्षी रिंकी, जो पहले महोली कोतवाली में तैनात थी उनका हाल ही में रामपुर कला थाने में तबादला हुआ था। रविवार की सुबह वह अपने चार वर्षीय बेटे टुकटुक के साथ स्कूटी से नई तैनाती स्थल पर ड्यूटी ज्वाइन करने जा रही थी इसी दौरान कटीली ओवरब्रिज के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी टक्कर लगते ही रिंकी और उसका बेटा सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए मौके से गुजर रहे राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां दोनों का उपचार चल रहा है प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर मारने वाला वाहन तेज रफ्तार में था और टक्कर के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से कुछ सुराग जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी वाहन का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, महिला आरक्षी रिंकी की हालत फिलहाल स्थिर है, जबकि बच्चे को हल्की चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिसकर्मी और विभागीय अधिकारी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित आरक्षी से मुलाकात कर उसका हाल जाना है!!

मारपीट करने का आरोप

ललितपुर। नाराहट थानान्तर्गत ग्राम कुलुवा निवासी नत्थूराजा पुत्र प्यारे राजा ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि शुक्रवार को शाम करीब 6 बजे वह अपने घर पर था। तभी गांव के डग्गी राजा पुत्र संतोष सिंह व नातीराजा पुत्र डग्गी राजा ने गालियां देते हुये थप्पड़ मार दिया और मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

मारपीट कर धमकाने के आरोप में मामला दर्ज

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्रांतर्गत ग्राम महाराजपुरा निवासी जसवंत पुत्र देवकर बताया कि 7 नव बर को अपराह्न करीब 1 बजे गांव के हाकम सिंह पुत्र नन्दलाल सिंह ने उन्हें गालियां देते हुए, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ककरहवा के ऐतिहासिक रामलीला में हुआ रावण का दहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। रामलीला मंचन से समाज को सीख मिलती है। रावण दहन का उद्देश्य तभी सफल होगा, जब आप अहंकार और बुराई समाप्त करने की प्रेरणा लें। ये बातें विधायक श्याम धनी राही ने ककरहवा बाजार में आयोजित रामलीला मेला में रावण दहन कार्यक्रम के बाद कहीं। प्राचीन रामलीला मेले में रविवार को रावण दहन देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। विगत 70 वर्षों से लगातार आयोजित हो इस मेले में आसपास के गांवों के अलावा नेपाल से भी लोग आते हैं। रावण दहन में आए विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि अंग्रेजों के जमाने में यहां मेले की परंपरा शुरू हुई थी। आयोजन को शानदार और सुरक्षित बनाने में यहां के लोगों की भूमिका सराहनीय है। मेला आयोजक ग्राम प्रधान नीतू पांडेय ने कहा कि रावण रूपी अत्याचारी को दहन कर देने मात्र से हमें विजय नहीं मिलेगी। विजय पाने के लिए हमको अपने अंदर की बुराई और अहंकार को जलाकर मारना होगा।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप पांडेय ने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से लगातार इस मेले की परंपरा बनी हुई है और आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि यदि आप सभी का सेवा करने का अवसर पुनः मिला तो अगले वर्ष इससे बेहतर मेले का आयोजन किया जाएगा।मेले में बुराई के प्रतीक रावण के पुतले का दहन किया गया। मेले में सब प्रकार की दुकानें लगाई गई है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। खासकर झूला, मौत का कुंआ, जादूगर, खिलौने के दुकान, मिठाई, चाट व अन्य खाने-पीने की दुकानों ने लोगों को खूब लुभाया। शनिवार से शुरू मेला सोमवार को खत्म होगा। इस दौरान ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप पांडेय, नागेंद्र मिश्र, बुद्धिसागर मिश्र, अमन जायसवाल, वीरेंद्र पांडेय, गुलाब जायसवाल, भगवान प्रसाद चौधरी, मार्कंडेय मिश्रा, लक्ष्य पंडित, गुड्डा, पवन आदि मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता का शव छत की कुंडी से लटकता हुआ मिला

मृतका के भाई ने पुलिस को तहरीर देकर कि कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के मोहाना थाना क्षेत्र के ग्राम बग्ही के टोला हरपौली में रविवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता का शव घर के अंदर छत की कुंडी से लटकता मिला है। मृतका की पहचान सिरावती (28)। पत्नी चिनक के रुप में हुई। मृतका के मायके वालों ने हत्या की आशंका व्यक्त कर जांच कि मांग की है। मौके से फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किया है। मोहाना थाना क्षेत्र के लकड़ा गांव निवासी सोभई की पुत्री सीरावती की शादी 10 वर्ष पूर्व मोहाना थाना क्षेत्र के हरपौली निवासी चीनक के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही पति-पत्नी में आये दिन बात बात पर झगड़ा होता रहता था। दो बच्चियां भी हैं। शनिवार की रात भी दोनों के बीच कहा सुनी हुई थी। उसके बाद चिनक की पत्नी अपने कमरे में सोने चली गई। सुबह घरवालों ने सीरावत का शव कमरे के अंदर फंदे से लटका देखा। किसी ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मोहाना पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के भाई मलखान ने मोहाना थाना पर तहरीर देते हुए सीरावती का हत्या कर शव कुंडी में लटकाये जाने की आशंका व्यक्त की है। इस संबंध में थानाध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने बताया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। तहरीर मिला है आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रातों-रात जमीन पर कब्जा करने का आरोप

ललितपुर। तालबेहट के ग्राम विजयपुरा निवासी गिरजाबाई पत्नी केशवदास ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजा है। बताया कि 6 नव बर की रात करीब 11 बजे उसकी आराजी नं. 957 रकवा 1.801 पर गांव के कुछ दबंगों ने रातों-रात कब्जा कर लिया। बताया कि रात में उसके खेत पर दबंगों द्वारा ट्रैक्टर चलाकर फसल खराब कर दी गयी। मौके पर पहुंचकर जब उसने विरोध किया तो उक्त लोगों ने उसके साथ गालियां देते हुए जान से मारने पर आमादा हो गये। जहां से पीड़ित पक्ष अपनी जान बचाकर भाग आये। पीड़िता ने एसपी से कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।